



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 38]

नई दिल्ली, बुधवार, फरवरी 4, 1981/माघ 15, 1902

No. 38]

NEW DELHI, WEDNESDAY, FEBRUARY 4, 1981/MAGHA 15, 1902

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 4 फरवरी, 1981

सा०का०नि० 45 (अ):—स्थिर एवं गतिशील दाब पात्र (अञ्चलित) नियम का एक प्राकृत्य भारतीय विस्फोटक अधिनियम, 1884 (1884 का 4) की धारा 18 की अपेक्षानुसार भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) की अधिसूचना संख्या 498(अ) तारीख 16-10-1978 के अधीन भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग 2, खण्ड 3, उपखण्ड (i), तारीख 16 अक्टूबर, 1978 के पृष्ठ 929 से 952/8 पर प्रकाशित किया गया था, जिसमें उस तारीख से जिसको उक्त अधिसूचना को अन्तर्बिष्ट करने वाला राजपत्र जनता को उपलब्ध करा दिया गया था, 30 दिन की अवधि की समाप्ति के पूर्व उन सभी व्यक्तियों से आशेष और सुझाव मांगे गए थे, जिनके उम्मेद प्रभावित होने की संभावना थी ;

और उक्त राजपत्र 28 अक्टूबर, 1978 को जनता को उपलब्ध करा दिया गया था ;

और केन्द्रीय सरकार ने उक्त प्राकृत्य नियम के सम्बन्ध में जनता से प्राप्त आशेषों और सुझावों पर विचार कर लिया है ;

अतः, अध, केन्द्रीय सरकार, भारतीय विस्फोटक अधिनियम, 1884 (1884 का 4) की धारा 5 और 7 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:—

स्थिर एवं गतिशील दाब पात्र (अञ्चलित) नियम, 1981

अध्याय 1

प्रारम्भिक

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ - (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम स्थिर एवं गतिशील दाब पात्र (अञ्चलित) नियम, 1981 है।

2. ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे

2. परिभाषाएँ:—इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ कि से अन्यथा अपेक्षित न हो:—

(क) "अधिनियम" से भारतीय विस्फोटक अधिनियम, 1884 (1884 का 4) अभिप्रेत है ;

(ख) "अनुमोदित" से मुख्य नियंत्रक द्वारा अनुमोदित रेखांकन, डिजाइन निर्देश या संहिता अभिप्रेत है ;

(ग) "मुख्य नियंत्रक" से मुख्य विस्फोटक नियंत्रक अभिप्रेत है ;

- (घ) "सक्षम व्यक्ति" से अभिप्रेत है मुख्य नियंत्रक द्वारा सक्षम व्यक्ति के रूप में मान्यता प्राप्त व्यक्ति ;
- (ङ) "संपीड़ित गैस" से कोई स्थायी गैस, द्रवणीय गैस या द्रव में वाष्प या गैस मिश्रण में घुनी गैस जो एक बर दाब पात्र में या तो 15 डिग्री सेंटीग्रेड पर 1.5 वायुमंडल (गैज) या 50 डिग्री सेंटीग्रेड पर 2 वायुमंडल (गैज) या दोनों उत्पन्न करती है, अभिप्रेत है और इसके अन्तर्गत हाईड्रोजन क्लोराइड है ;
- (च) "विस्फोटक नियंत्रक" के अन्तर्गत उपमुख्य विस्फोटक नियंत्रक, उप विस्फोटक नियंत्रक और सहायक विस्फोटक नियंत्रक हैं ;
- (छ) "संस्कारण" से सभी प्रकार की छोजन अभिप्रेत है और इसके अन्तर्गत धाक्सीकरण, छीलन, भस्मीनी-पिसाई और कटाव सम्मिलित है ;
- (ज) "डिजाइन" के अन्तर्गत आरेखण, गणना, विनिर्देश नमूना और दाब पात्र और इसकी संरचना के पूर्ण विवरण के लिए आवश्यक सभी अन्य ब्यारे हैं ;
- (झ) "डिजाइन दाब" से पात्र की डिजाइन की गणना में पात्र में विभिन्न संघटक भागों की न्यूनतम मंटाई निकालने के लिए प्रयुक्त दाब अभिप्रेत
- (ण) "जिला अधिकारी" से अभिप्रेत है:—
- (1) पुलिस आयुक्त वाले नगरों में, पुलिस आयुक्त या उपायुक्त और
 - (2) किसी अन्य स्थान में, जिला मजिस्ट्रेट ;
 - (ट) "भरण घनत्व" से दाब पात्र में अनुज्ञात द्रवणीय गैस का वजन और उस दाब पात्र में 15 डिग्री सेंटीग्रेड पर भरे जा सकने वाले जल के वजन का अनुपात अभिप्रेत है ;
 - (ठ) "ज्वलनशीलता रेंज" से वायु के साथ मिश्रण में गैस का आयतन, जो वायुमंडलीय दाब और चारों ओर के ताप पर ज्वलनशील मिश्रण बनाता है, के न्यूनतम और अधिकतम प्रतिशत का अंतर अभिप्रेत है ;
 - (ड) "ज्वलनशील संपीड़ित गैस" से अभिप्रेत है ऐसी गैस जो 13 प्रतिशत या उससे कम हवा के साथ मिश्रण करने पर ज्वलनशील मिश्रण बनाती है या जिसकी हवा के साथ ज्वलनशील रेंज 12 प्रतिशत से अधिक है ;
 - (ढ) "प्ररूप" से इन नियमों से सलग्न प्ररूप अभिप्रेत है ;
 - (ण) दाब पात्र के संबंध में "मुक्त गैस" से ज्वलनशील या विषैली या दोनों की ऐसे दाब पात्रों में सान्द्रता अभिप्रेत है यदि ऐसा दाबपात्र व्यक्तियों के प्रवेश और ऐसे पात्रों में तप्त कार्य करने के लिए सुरक्षा की विनिर्दिष्ट सीमा के भीतर है ;
 - (त) "निरीक्षक" से ऐसा व्यक्ति अभिप्रेत है जो अनुमोदित डिजाइन और विनिर्देशों या संहिता के अनुसार पात्रों का निरीक्षण करने के लिए अनुज्ञित प्राधिकारी द्वारा प्राधिकृत किया जाता है ;
 - (थ) "प्रतिष्ठापन" से ऐसा स्थान अभिप्रेत है जो दाब पात्रों में संपीड़ित गैस के भण्डारण के लिए विशेष रूप से तैयार किया गया है ;
 - (द) "द्रवणीय गैस" से ऐसी कोई गैस अभिप्रेत है जो 0 डिग्री सेंटीग्रेड के ऊपर दाब पर द्रवीभूत हो जाती है किन्तु जब 30 डिग्री सेंटीग्रेड पर सामान्य वायुमंडलीय दाब (760 एम०

एम० एव० जी०) के संतुलन से होती है, तब पूर्णतः वाष्पीभूत हो जाएगी ;

- (घ) "स्थायी गैस" से ऐसी गैस अभिप्रेत है जिसका क्रांतिक तापमान-10 डिग्री सेंटीग्रेड से कम है ;
- (न) "दाबपात्र" से किसी भी आकार का, किसी संपीड़ित गैस के भण्डारण और परिवहन के लिए प्राणित कोई ऐसा संवृत धातु का कंटेनर अभिप्रेत है जो आंतरिक दाब के अधीन होता है और जिसकी जलधारिता एक हजार लिटर से अधिक है और इसके अन्तर्गत संबंधित पार्श्विंग और फिटिंग से संयोजन के प्रथम बिन्दु तक उसके अन्तर्गामी पुर्जों और संघटक भी हैं, परन्तु इसमें वे कंटेनर जिनके अन्तर्गत भाप या अन्य वाष्प का उत्पादन होता है या उसके उत्पादन के लिए प्राणित है अथवा जल या अन्य द्रव अग्नि के प्रयोग या दहन के उत्पादों द्वारा अथवा विद्युत साधनों द्वारा, संचालित हैं अथवा तप्त किए जाने के लिए प्राणित है, ताप-विनियमायक, वाल्व, वायु-ग्राही, प्रवाष्पी सम्पाधित, प्रवाष्पी निर्जनक, फ्लोटक्लेव, रिफिल्टर, कैलोरीफायर और दाब पार्श्विंग संघटक जैसे पृथक्कारी या बालकृत सम्मिलित नहीं हैं ;
- (प) "सुरक्षा सहायक साधन" (सेक्यू रिलीफ डिवाइस) से प्रचलित दाब कम करने का दाब को दाब धारा प्रतिक्रिया से प्रेरित साधन और पूर्णतया तत्काल कार्य की विशेषता के युक्त कुछ अदक्षिन्ता की परिस्थितियों में दाब पात्र के कूटने से बचाने का हवादा अभिप्रेत है ;
- (फ) "ज्वलन का स्रोत" से खुली लाइट, अग्नि, अनावृत तापदीप्त सामग्री, विद्युत वेल्डिंग आर्क, लैम्प, उनसे भिन्न जो विशिष्टतया ज्वलनशील वातावरण में प्रयोग के लिए अनुमोदित है या किसी साधन द्वारा उत्पादित चिनगारी या ज्वाला अभिप्रेत है ;
- (ब) "परिवहन" से संपीड़ित गैस से भरे दाब पात्र को एक स्थान से दूसरे स्थान को ले जाना अभिप्रेत है परन्तु इसके अन्तर्गत एक ही परिमर में एक स्थान से दूसरे स्थान को यान वा संचालन नहीं है ;
- (भ) "यान" से यंत्र नोबिल गाड़ी पर आरुढ़ दाब पात्र में संपीड़ित गैस का भूमि मार्ग द्वारा परिवहन करना अभिप्रेत है और इसके अन्तर्गत रेल, टैंक, बोगम के बैरम के रूप का यान नहीं है ;
- (म) "पात्र से दाब पात्र अभिप्रेत है ;
- (य) "जल धारिता" से 15 डिग्री सेंटीग्रेड पर दाब पात्र में भरे जाने वाले जल की सीटों में धारिता अभिप्रेत है ।

3. सामान्य छूट:—इन नियमों की कोई भी बात संयंत्र से सम्बन्ध भण्डारण पात्रों से भिन्न ऐसे पात्रों को लागू नहीं होगी जो किसी प्र-संस्करण संयंत्र के भाग हैं ।

4. धराई और विनिर्माण पर निर्बंधन:—(1) कोई व्यक्ति किसी दाब पात्र में संपीड़ित गैस नहीं भरेगा या संपीड़ित गैस से भरे किसी पात्र का परिवहन नहीं करेगा जब तक कि ऐसा पात्र ऐसे टाइन या स्तर के या मुख्य नियंत्रक द्वारा सम्यक्तः अनुमोदित कोई के अनुसार विनिर्मित न किया गया हो ।

(2) कोई व्यक्ति किसी टाइन या स्तर के या मुख्य नियंत्रक द्वारा उपनियम (1) के अधीन अनुमोदित कोई के दाब पात्र के विनिर्माण के अनुमोदन हेतु इन नियमों से सलग्न परिशिष्ट में दिए गए विवरण मुख्य नियंत्रक को प्रस्तुत करेगा ।

5. परिवहन और भेजे जाने पर निर्बंधन:—(1) कोई व्यक्ति इन नियमों के अधीन जारी की गई भण्डारण अनुज्ञति के धारक या

पत्तन प्राधिकारी या रेल प्रशासन से भिन्न किसी व्यक्ति का दाब पात्र में भरी हुई संपीड़ित गैस का परिधान नहीं करेगा या उसे नहीं भेजेगा।

(2) उपनियम (1) के अधीन परिवर्तन या भेजो गई संपीड़ित गैस उतनी मात्रा से अधिक नहीं होगी जिसके लिए वह व्यक्ति जिसे वह परिवर्तन किया गया हो या भेजा गया हो, उसके द्वारा धारित अनुमति के अधीन भण्डारकरण के लिए प्राधिकृत है।

6. दाब पात्रों की मरम्मत:—(1) कोई व्यक्ति किसी दाब पात्र में कोई मरम्मत, परिवर्धन या परिवर्तन तब तक नहीं करेगा, जब तक कि प्रस्तावित मरम्मत, परिवर्धन या परिवर्तन और उनके निष्पादन का ढंग मुख्य नियंत्रक ने अनुमोदित न कर दिया हो। मुख्य नियंत्रक द्वारा अनुमोदित ऐसी कोई मरम्मत परिवर्धन या परिवर्तन नियम 12 में निर्दिष्ट डिजाइन कोड के अधीन स्वीकार्य रीति में और पद्धतियों द्वारा किए जाएंगे:

परन्तु इस नियम की कोई भी बात पात्र की किसी ऐसी चीज को, जिसमें कोई तापन अन्तर्वर्धित नहीं है, लागू नहीं होगी।

(2) किसी-पात्र में कोई मरम्मत, परिवर्धन या परिवर्तन करने के पूर्व, उस पात्र को पूर्णतः खाली और किसी सक्रिय गैस से रेचिन किया जाएगा।

(3) उपनियम (1) में निर्दिष्ट मरम्मत, परिवर्धन या परिवर्तन का पूर्ण अभिलेख रखा जाएगा और मुख्य नियंत्रक को उपबन्ध कराया जाएगा तथा पात्र को पुनः चालू करने से पूर्व उसको अनुमा अभिप्राप्त करनी होगी।

7. उबलनशील गैस के लिए प्रयुक्त दाब पात्र का रेचन:—(1) किसी नए दाब पात्र को प्रयोग में लाने के पूर्व या बिद्यमान पात्र को जो गैस मुद्रित किया गया है, पुनः भरने के पूर्व, उनमें अन्तर्विष्ट हवा का अतिक्रमण या वह गैस जिसके लिए पात्र का प्रयोग करना है, द्वारा रेचिन किया जाएगा।

8. बालकों और भ्रष्ट किए हुए व्यक्तियों के नियोजन का प्रतिषेध:—अठारह वर्ष की आयु से कम या मत्तता की हालत में का कोई व्यक्ति, संपीड़ित गैस अन्तर्विष्ट करने वाले पात्र को लवाई, उतलाई या परिवहन के कार्य में, या इन नियमों के अधीन अनुमति किसी परिसर में नियोजित नहीं किया जाएगा।

9. धूम्रपान, अग्नि, प्रकाश, आदि का प्रतिषेध:—किसी भी समय किसी ऐसे स्थान के निकट जहाँ संपीड़ित गैस का भण्डारकरण उठाई धराई या परिवहन दाब पात्र में किया जाता है, कोई व्यक्ति धूम्रपान नहीं करेगा, कोई विद्युत् लाली, अग्नि, प्रकाश या ऐसी वस्तु जो किसी उबलनशील गैस को प्रज्वलित कर सकती है, अनुज्ञात नहीं होंगे।

10. दुर्घटना से बचाव के लिए विशेष पुर्वाधानियाँ:—(1) किसी ऐसे स्थान में या उसके पास जहाँ संपीड़ित गैस का भण्डारकरण, उठाई धराई या दाब पात्र में परिवहन किया जाता है, कोई व्यक्ति ऐसे कार्य नहीं करेगा या करने का प्रयत्न नहीं करेगा जिससे भाग लग जाए या विस्फोट हो जाए।

(2) सभी खाली दाब पात्र, जिनमें कोई उबलनशील या विषैली गैस भरी है, सुरक्षापूर्वक बन्द किए जाएँ, सिवाय तब के जब कि वे भरने और साफ करने हेतु या उन्हें गैस मुक्त अवस्था में रखने हेतु, यथास्थिति, खोले गए हों और साफ या गैस मुक्त कर दिए जाते हैं।

(3) दाब पात्र में संपीड़ित गैस का भण्डारकरण करने वाला प्रत्येक व्यक्ति या दाब पात्र में से ऐसी गैस का भण्डारकरण, उठाई धराई और परिवहन का भारसाधक या उसमें लगा हुआ प्रत्येक व्यक्ति सभी समयों पर—

(i) इन नियमों के उपबन्धों का और उनके अधीन जारी की गई किसी अनुमति की शर्तों का अनुपालन करेगा;

(ii) अग्नि या विस्फोट से दुर्घटना के निवारण के लिए सभी पुर्वाधानियाँ बरनेगा, और

(iii) उपनियम (1) में निर्दिष्ट कोई कार्य करने से हर व्यक्ति को निवारित करेगा।

11. फीस का मंदाय:—इन नियमों के अधीन देय सभी फीस लेखा अधिकारी, वेतन और सखा कार्यालय विस्फोटक विभाग, नागपुर के नाम पर लिखे गए किसी भी राष्ट्रीयकृत बैंक के आय मागधेय ट्राफ्ट द्वारा संवत् की जानी चाहिए और जहाँ देय रकम 100 रु० (एक सौ रुपए) से अधिक नहीं है, वहाँ मंदाय नकद, मनी ऑर्डर, पोस्टल ऑर्डर या स्थानीय बैंक पर लिखे गए बैंक द्वारा किया जा सकता है।

अध्याय 2

दाब पात्र की संरचना और फिटिंग

12. डिजाइन कोड:—(1) दाब पात्र समय-समय पर यथासंशोधित भारतीय मानक 2825 या मुख्य नियंत्रक द्वारा अनुमोदित किसी अन्य मानक या कोड के अनुसार बनाया और परीक्षित किया जाएगा।

(2) पात्र के विनिर्माण द्वारा दिया गया और निष्पन्न द्वारा सम्यक् रूप से प्रतिहस्ताक्षरित परीक्षण और निरीक्षण प्रमाण पत्र कि पात्र उपनियम (1) में निर्दिष्ट स्तर का कोड सम्बन्धी अपेक्षा की पूर्ति करता है, मुख्य नियंत्रक को प्रस्तुत किया जाएगा।

13. डिजाइन दाब:—पात्र का डिजाइन दाब (क) 55 डिग्री सेंटीग्रेड पर पात्र में गैस का वाष्प दाब से यदि पात्र प्रवणिय गैस के भण्डारकरण के लिए है तो कम नहीं होगा:

परन्तु यदि पात्र ऊष्मारोधी है तो पात्र में गैस का वाष्पदाब, उस अधिकतम ताप के, जिसकी पात्र में गैस द्वारा अभिप्राप्त किए जाने की संभावना है, बराबर होगा।

(ख) 58 डिग्री सेंटीग्रेड पर दाब में गैस का विकसित दाब, यदि पात्र स्थायी गैस के भण्डारकरण के लिए है तो, कम नहीं होगा।

14. निम्न ताप पर गैसों के लिए पात्रों की डिजाइन:—

(1) प्रशीतित पात्र—

(i) प्रशीतित गैसों के भण्डारकरण के लिए प्रयुक्त पात्र नियम 12 के उपनियम (1) में निर्दिष्ट डिजाइन कोड के अधीन निम्न ताप अपेक्षाओं के अनुसार डिजाइन किए जाएंगे।

(ii) प्रशीतन प्रणाली की क्षमता पात्र में गैस को किसी ताप पर इस प्रकार अनुमोदित रखने के लिए उपयुक्त होगी कि उसका वाष्पदाब पात्र के डिजाइन दाब से अधिक न हो और पात्र पर मोचन बाल्व की दाब-मापक के भी नीचे रहेगा।

(2) ऊष्मारोधी पात्र—

(i) पात्र का खोल और इसका मनोत्व चक्र मुख्य नियंत्रक द्वारा अनुमोदित सामग्री से ऊष्मारोधी किया जाएगा। समस्त ऊष्मारोधन कम से कम सामान्यतया 3 मि० मो० मोटाई की धातु परत से आच्छादित रहेगा और सभी ज्वरों के चारों ओर इस प्रकार लेपित होगा जिनसे कि वे मौसम रोधी (वीटर-टाइट) रह सकें।

(ii) ऊष्मारोधन उपयुक्त मोटाई का होगा जिससे कि 15 डिग्री सेंटीग्रेड पर ऊष्मा चालन (प्रति घंटा प्रति डिग्री तापस्तर कीलरी या वर्ग सें० मी० में अभिव्यक्त) मुख्य नियंत्रक द्वारा बहिष्ठ परिसीमा से अधिक न हो।

15. भरण क्षमता और भरण दाब:—(1) किसी पात्र में भरी गई प्रवणिय गैस की अधिकतम मात्रा गैस के भरण घनत्व तक सीमित होगी और इस प्रकार होगी कि पात्र इसके अन्तर्वस्तु के प्रसारण से 55 डिग्री

सेंटीग्रेड पर दाब से भरा न होगा। यदि पात्र ऊष्मारोधी नहीं है या उच्चतम ताप तक है जिस तक मेधा में अन्तर्वस्तुओं के पहुँचने की संभावना है यदि पात्र प्रणीत या ऊष्मारोधी है। यह श्रेष्ठा परिवेश ताप और भारी के समय उत्पाद के ताप का विचार किए बिना लागू होगी।

(2) कोई भी पात्र इसके डिजाइन दाब से अधिक म्यापी गैस में नहीं भरा जाएगा।

16. दाब पात्र पर अंकन --प्रत्येक पात्र में पात्र के साथ स्थायी रूप से लगी हुई निम्नलिखित विभिन्नताएँ दर्शाने वाली एक धातु प्लेट होगी और भू-स्तर से वृष्य होगी, अर्थात्--

- (1) विनिर्माता का नाम और पहचान चिह्न;
- (2) माप बंड या कोड जिस पर पात्र की संरचना की गई है;
- (3) निरीक्षक की शासकीय स्टाम्प;
- (4) डिजाइन दाब कि० ग्रा०/से० मी०² में
- (5) प्रारम्भिक द्रवस्थिक (हाइड्रोस्टैटिक) परीक्षण और पश्चात्तर्ती परीक्षण;
- (6) द्रवस्थिक दाब परीक्षण कि० ग्रा०/से० मी०² में
- (7) जनधारिता लिटरों में;
- (8) गैस क्षमता यदि द्रवणीय गैस भरी जाए; और
- (9) गैस के नाम का रासायनिक चिह्न जिस हेतु पात्र का उपयोग करना है।

17. पात्रों की पेंटिंग (रंगारंग) --पात्र को संधारण से बचाने हेतु बाहर से यथोचित पेंट किया जाएगा और सतह परावर्तक रखी जाएगी।

18 फिटिंग--

(1) साधारण--

- (i) फिटिंग-प्रत्येक दाब पात्र में निम्नलिखित फिटिंग की कम। कम प्रत्येक की एक ही जाएगी, जो सब पात्र जिससे व फिट की गई है, के डिजाइन दाब से कम दाब पर गैस के साथ उपयोग के लिए उपयुक्त होनी चाहिए और गैस के गुण धर्मों और प्रचलित स्थितियों के लिए समुचित तापमान पर ठीक होंगी चाहिए, अर्थात्--

- बाह्य स्थल से संबंधित दाब विमोचन वाल्व;
- नालियाँ (ड्रेन्स);
- अन्तर्वस्तु गैज या उच्चतम सतह सूचक;
- बाह्य स्थल से संबंधित दाब गैज;
- पात्र की वस्तुओं के तापमान नापने के साधन;

- (ii) पात्र कनेक्शन--पात्र के कनेक्शनों की डिजाइन नियम 12 में निर्दिष्ट डिजाइन कोड के अनुसार बनाई जाएगी और वे पात्र में लगाए जाएंगे।

(2) दाब मोचन--

- (i) प्रत्येक पात्र में नियम 12 में निर्दिष्ट डिजाइन कोड के उपबन्धों के अनुसार एक या अधिक दाब मोचन साधन लगाए जाएंगे।
- (ii) मोचन वाल्व स्वयं धारित होगा और नियम 12 में निर्दिष्ट डिजाइन कोड की अपेक्षा अनुसार पूर्ण प्रवाह शर्तों तक पहुँचने के लिए लगाया जाएगा।

(iii) बजन से भारित मोचन वाल्व अनुज्ञात नहीं होंगे।

- (iv) मोचन वाल्व इस प्रकार डिजाइन किए जाएंगे कि उन्हें अनावधानता से निश्चित दाब से अधिक भारित न किया जा सके।

(v) वाल्व की डिजाइन इस प्रकार की होगी कि किसी भाग का टूटना दाब के अन्तर्गत द्रव के मुक्त बहाव में बाधा न डाल सके।

(vi) पात्र के डिजाइन दाब के 110 प्रतिशत से अधिक दाब पर प्रारम्भ करने व पूर्ण करने के लिए सुरक्षा मोचन वाल्व लगाए जाएंगे और 120 प्रतिशत से अधिक डिजाइन दाब में अधिकतम दाब की गैस के लिए इनमें कुल मोचन क्षमता होगी।

(vii) प्रत्येक सुरक्षा मोचन वाल्व स्टैंड और म्यापी रूप में दाब कि० ग्रा०/से० मी० में जिस पर यह विनिर्दिष्ट नहीं होता है; 15 डिग्री सेंटीग्रेड पर और अन्तर्वस्तु दाब पर मुक्ति से गैस के विजर्जन की गति प्रति मिनट घन सेंटीमीटर में, व विनिर्माता के नाम से अंकित होगा। मुक्ति की विजर्जन क्षमता गति पात्र के डिजाइन दाब के 120 प्रतिशत दाब पर निकाली जाएगी।

(viii) सुरक्षा मोचन वाल्व में अपेक्षित विनिर्जन गति की व्यवस्था के लिए सुरक्षा मोचन मुक्ति के कनेक्शन पर्याप्त आकार के होंगे।

(ix) सुरक्षा मोचन वाल्व इस प्रकार व्यवस्थित किए जाएंगे कि छोड़छाड़ की संभावना कम से कम हो जाए और यदि दाब नियंत्रण या समायोजन बाहरी है तो सुरक्षा मोचन वाल्व समुचित सीलिंग समायोजन के साधनों से युक्त हों, चाहिए।

(x) प्रत्येक सुरक्षा मोचन वाल्व में उनके और पात्र के बीच कोई उपविरामक वाल्व लगाया जाएगा।

बंद करने के वाल्व सुरक्षा मोचन वाल्व और पात्र के बीच में लगाए गए उपविरामक वाल्व या वाल्वों की डिजाइन इस प्रकार की जाएगी कि सुरक्षा मोचन वाल्वों में कम से कम एक वाल्व पूर्ण अपेक्षित प्रवाह क्षमता दे सके।

(xi) सुरक्षा मोचन वाल्वों का पात्र के बाह्य स्थल से सीधा संपर्क होगा।

(xii) 4,500 लिटरों में अधिक जलधारिता वाले पात्रों के लिए, मोचन वाल्व पर्याप्त रूप से संभाले विस्तारित निकास और पात्र के ऊपरी भाग से कम से कम 2 मीटर ऊपर और धरातल कम से कम 3.5 मीटर ऊपर निर्माण द्वारा एवं निकास नालियाँ ढीली फिट की गई बरसाती टोपियों से लगी होंगी।

(xiii) मोचन वाल्वों के ठीक प्रचालन के लिए कम से कम वर्ष में एक बार परीक्षण किया जाएगा और इस प्रकार के परीक्षण का रिकार्ड रखा जाएगा।

(3) बंद और आपातकाल में बंद होने वाले वाल्व--

(i) मोचन वाल्व वाल्वों को छोड़कर पाल पर सब द्रव और वाष्प संयोजन, उत्पन्न छिद्र और जहाँ कनेक्शन 1.4 मि० मी० व्यास के छिद्र से अधिक नहीं हैं उनमें बंद करने का वाल्व पात्र के यथाव्यवहार्य पास में लगा होगा।

(ii) मोचन वाल्व और छोटे व्यास के निकास संबंधों को छोड़कर पात्र पर के सभी द्रव और वाष्प कनेक्शनों के एक आपातकालीन उपविरामक वाल्व यथा अधिक प्रवाह वाल्व या स्वचालित वाल्व दूरस्थ नियंत्रित वाल्व होगा। आपातकाल उपविरामक वाल्व चरण 1 में निर्दिष्ट उपविरामक वाल्व के प्रतिरिक्त होगा जब तक कि आपातकाल उपविरामक वाल्व के दूरस्थ नियंत्रित वाल्व न हो जो सुरक्षित क्षेत्र से प्रचालित किया जा सके और इस प्रकार का हो जो संयुक्त न हो।

परन्तु जहाँ पात्र से कनेक्शन द्रव के लिए अधिक से अधिक 3 मि० मी० व्यास और वाष्प के लिए 8 मि० मी० व्यास तक प्रतिबन्धित हो जाते हैं, कोई आपातकाल उपविरामक वाल्व आवश्यक नहीं है।

(iii) जहाँ आपातकाल उपविरामक वाल्व अति प्रवाही गति का है इसके प्रवाह के बंद होने की गति अनुभव की जा सकने वाली अत्यंत

प्रतिकूल मौसम शर्तों के अधीन, सुविचारित रेखा जिसकी सुरक्षा यह करना है, में दरार पड़ने की संभावना होने वाली प्रवाह गति में कम होगी। प्रति प्रवाही वाल्वों में, वाल्वों को चटकने से रोकने के लिए, सामान्य प्रवाह आवश्यकता में पर्याप्त अधिक आनुपातिक प्रवाह क्षमता होगी।

(4) द्रव सतह मापक यंत्र :

(i) द्रवणीय गैस या धुलनशील गैस के लिए उपयोग में लाया जाने वाला पात्र किसी भी समय पात्र में द्रव की मात्रा शीघ्र ज्ञात करने के लिए, द्रव सतह मापक युक्ति से सज्जित होगा।

(ii) सब द्रव सतह कोड पात्र के डिजाइन के लिए दाब पर प्रचलन उपयुक्त होंगे।

(iii) इसके अतिरिक्त प्रत्येक पात्र संयंत्र में भरी हुई द्रवणीय गैस या धुलनशील गैस पर आधारित निर्धारित उच्चतम सतह सूचक यंत्र से सज्जित होगा।

(iv) मापक युक्तियां पात्र के अन्तर्गत प्रवजन जैसे कि वाल्व धूर्जन (राटरी) नली, स्थिर नली और फ्लैशने वाली नली के लिए अपेक्षित हैं इस प्रकार डिजाइन किए जाएंगे कि वे सामान्य मापक सक्रियाओं में पूर्णतः न हटाये जा सकें।

(v) दाब माप प्रत्येक पात्र में कम से कम एक दाब माप (गेज) होगी

19 काम में लाए जाने वाले दाब पात्रों की कालिक परीक्षण :—

(i) समस्त दाब पात्र प्रथम परीक्षण की तारीख के पश्चात् पांच वर्षों से अनधिक के अंतराल में, पात्र में अंकित दाब पर सक्षम व्यक्ति द्वारा द्रव कालिक रूप से परीक्षण किए जाएंगे परन्तु संशारक या विषैली गैस होने पर कालिक परीक्षण दो वर्षों के अंतराल में किया जाएगा।

(ii) उपनियम (1) के अधीन यथापेक्षित परीक्षण करने वाला सक्षम व्यक्ति प्रमाण पत्र जारी करेगा।

20 द्रवकालित परीक्षण करने के लिए पालन की जाने वाली पूर्वावधानियां :—नियम 19 में निर्दिष्ट द्रवकालित परीक्षण पूरा करने के लिए, निम्नलिखित पूर्वावधानियां का पालन किया जाएगा, अर्थात् :—

(i) परीक्षण करने के पूर्व प्रत्येक दाब पात्र पूरी तरह स्वच्छ किया जाएगा और बाहरी तथा सतह दाब संशारण और विजातीय वस्तु के लिए यथाव्यवहार्य अनिश्चित परीक्षा भी की जाएगी। सफाई और आपक, यदि कोई हों, हटाने के दौरान यदि ऐसा आपक पाश्चोक्तिक प्रकृति का है या उसमें स्वतः बाह्य रसायन अन्तर्भिष्ट है तो अग्नि या विस्फोट के प्रति सभी सम्बन्ध पूर्वावधानियां बरती जाएंगी।

(ii) जैसे ही परीक्षण पूरा हो जाता है, पात्र पूर्णतः आन्तरिक तौर पर शुद्धित किया जाएगा और वह व्यक्ति जिसके द्वारा परीक्षण किया गया है, तथा परीक्षण की तारीख के दर्शक, चिन्हों और संख्याओं की स्पष्टतः स्टाम्प लगाई जाएगी और इन सब परीक्षणों का अभिलेख रखा जाएगा।

(iii) कोई पात्र जो द्रवकालित जाच में असफल हो जाता है या अन्य किसी कारण से जो उपयोग हेतु असुरक्षित पाया जाता है, नष्ट कर दिया जायेगा या मुख्य नियंत्रक को सूचना देते हुए अनुपयुक्त ठहरा दिया जायेगा।

अध्याय 3

भण्डारकरण

21 साधारण :—

(1) संपीड़ित गैस के भण्डारकरण के लिए प्रयोग में लाए जाने वाले सब पात्र भूमि के ऊपर संस्थापित किए जाएंगे, अर्थात् पात्र का कोई भी भाग धरातल के नीचे नहीं दबाया जाएगा।

(2) पात्र और प्रथम स्तर विनियमक उपकरण खुले स्थान में स्थित किए जाएंगे।

(3) पात्र एक दूसरे के ऊपर संस्थापित नहीं किए जाएंगे।

(4) समूह में पात्र इस प्रकार अवस्थित किए जाएंगे कि उनके अनुदैर्घ्य अक्ष एक दूसरे के समानान्तर हों।

(5) कोई पात्र अन्य उच्चतमशील द्रव भण्डारकरण के बंद क्षेत्र में अवस्थित नहीं किया जाएगा।

(6) अग्निशमन प्रचालनों के अनुज्ञापन करने के लिए दो पात्रों के बीच पर्याप्त स्थान रखा जाएगा।

(7) दो या अधिक पात्र बैटरी में इस प्रकार संस्थापित किए जाएंगे कि पात्रों की ऊपरी सतह एक ही तलपन हो।

(8) एक दूसरे की ओर नतोन्नत छोरो सहित संस्थापित पात्रों के बीच एक परदे की दीवार होगी।

22 दाब पात्रों की अवस्थिति निकटतम भवन या भवनसमूह या पार्श्व संपत्ति जो निर्मित की जा सकती है, को दृष्टि में रखते हुए और दाब पात्र को दृष्टि में रखते हुए दाब पात्रों को निम्नलिखित सारणी में विनिर्दिष्ट दूरी के अनुसार स्थित किया जाएगा।

सारणी 1

उच्चतमशील, संशारक और विषैली गैसों के लिए न्यूनतम सुरक्षा दूरी

दाब पात्र की जलधारिता (लिटरों में)	भवन या भवन समूह या निकटतम संपाशिक संपत्ति से न्यूनतम दूरी	दाब पात्र के बीच न्यूनतम दूरी
------------------------------------	---	-------------------------------

(i) 2,000 से अधिक नहीं	5 मीटर	1 मीटर
(ii) 2,000 से ऊपर लेकिन 10,000 से अधिक नहीं	10 मीटर	1 मीटर
(iii) 10,000 से ऊपर लेकिन 20,000 से अधिक नहीं	15 मीटर	1.5 मीटर
(iv) 20,000 से ऊपर लेकिन 40,000 से अधिक नहीं	20 मीटर	2 मीटर
(v) 40,000 से ऊपर	30 मीटर	2 मीटर

सारणी 2

अविषैली गैसों के लिए न्यूनतम सुरक्षा दूरी

दाब पात्र की जलधारिता (लिटरों में)	भवन या भवन समूह या निकटतम संपाशिक संपत्ति से दूरी	पात्रों के बीच न्यूनतम दूरी
------------------------------------	---	-----------------------------

(i) 2,000 से अधिक नहीं	3 मीटर	1 मीटर
(ii) 2,000 से ऊपर लेकिन 5,000 से अधिक नहीं	5 मीटर	1.5 मीटर
(iii) 10,000 से ऊपर लेकिन 20,000 से अधिक नहीं	10 मीटर	2 मीटर
(iv) 20,000 से ऊपर	15 मीटर	बड़े पात्र का व्यास

टिप्पण 1 :

बहुपात्र संस्था की कुल जलधारिता यदि 40,000 लीटर या उससे अधिक है, उपर्युक्त न्यूनतम सुरक्षा दूरी कुल भण्डारकरण क्षमता को लागू होगी।

टिप्पण 2 :

एक संस्थापन में भण्डारकरण पात्रों की संख्या 6 से अधिक नहीं होगी यदि एक से अधिक संस्थापन हैं तो दो संस्थापनों के बीच सुरक्षा दूरी समान होगी जो सारणी 1 के अनुसार पात्र और संपत्ति रेखा के बीच होगी।

टिप्पण 3 :

ऊपर विनिर्दिष्ट दूरियां पात्र की परिधि पर निम्नतम बिन्दु से मापी जानी चाहिये।

टिप्पण 4 :

ऊपर विनिर्दिष्ट दूरी ऐसे मामलों में मुख्य नियंत्रक द्वारा कम की जा सकती है जहाँ उसकी यह राय हो कि अतिरिक्त सुरक्षा उपायों की व्यवस्था की गई है।

23. दाब पात्रों के लिए आधारशिला :—

(1) साधारण पदार्थ, सिद्धांत रीति डिजाइन का विवरण आधारशिला की संरचना और पात्र के आधार अनुमोदित विनिर्देशों, मानकों या कोडों के अनुरूप होंगे।

(2) भूतलीय शतों :—

पात्र का संस्थापक व्यक्ति, विनिर्दिष्ट विद्यमान दाब की स्थापना, पूर्ण एवं स्वीकृत विवेकन भूमि व्यवस्था, प्लवन की जोखिम एवं मूल शतों के संभाव्य ह्रास के संदर्भ में, पूर्ण ज्ञान रखेगा।

3 सामग्रियां :—

(i) भूतलीय शतों, लवाई और विस्तृत डिजाइन संरचनाओं द्वारा सन्निर्माण के लिए सामग्रियों का अवधारण किया जाएगा।

(ii) सामग्रियां

(क) ईट बिनाई कार्य,

(ख) प्रयत्नित कंक्रीट, या

(ग) इस्पात पट्ट, इस्पात नली या संरचनात्मक इस्पात की हो सकती है।

(4) लवाई :

स्थिर और अधिरोपित लवाई का महत्तम सम्मिलित प्रभाव निम्नलिखित डिजाइनों के लिए उपयोग में लाया जाएगा :

(क) स्थिर लवाई पात्र और उसकी अंतर्वस्तु का वजन।

(ख) परीक्षण लदान यदि जल द्वारा परीक्षण किया गया हो।

(ग) वायु लदान

(घ) सक्रियात्मक लदान जैसे कंपन, तापीय (प्राकृतिक एवं सक्रियात्मक)।

(5) बन्दोबस्त :—

कोई विशिष्ट विवेकक बन्दोबस्त सम्बंधित पात्र कार्य और पात्र में अधिक प्रतिबन्धन से बचाने के लिए सीमित होगा।

(6) पात्र आधार :—

(i) पात्रों के लिए आधार की डिजाइन उम मानक या कोड का जिनके के अनुसार पात्र सन्निहित है, अनुगमन करेगी।

(ii) प्रतिबलित पात्र कोश और यू पर लदान के संवरण के सूक्ष्म परीक्षण के पश्चात् ही पात्र आधारों के बीच अंतराल निश्चित किया जाएगा।

(iii) बाह्य और तापीय प्रसारण के कारण पात्र के संचालन के लिए पात्र आधार की नम्यता अनुज्ञेय होगी।

(iv) पात्र का सुरक्षा से लंगर डाला जाएगा या वजन किया जाएगा या बाड़ के जल में नबाही को दूर करने के लिए पर्याप्त पोतघाट ऊंचाई की व्यवस्था की जाएगी।

(v) संरचनात्मक इस्पात के मामलों में, पात्र काठी या 45 से 0 मी० या कम ऊंचाई के आलंबी अधोभाग को छोड़कर ऐसे आधार पर्याप्त मोटाई की अग्निरोधक वस्तुओं में डूबे जाएंगे।

24. बेराबरी :—

(i) वह क्षेत्र, जहाँ पंप-उपस्कर, उतराई-लवाई सुविधाएं और प्रत्यक्ष ज्वलित बाधकों की सुविधाएं हैं, सुरक्षा ज्ञान के परिमाण के चारों ओर कम से कम 2 मीटर ऊंचे औद्योगिक प्रकार के घेरे से युक्त होगा।

(ii) प्रत्येक घेरे में निर्गम के कम से कम दो मार्ग होंगे और ऐसे निर्गमों के द्वारा बाहर की ओर खुलने वाले होंगे और स्वअनुबंधक नहीं होंगे।

25. सफाई :—

पात्र के चारों ओर 3 मीटर का क्षेत्र शीघ्र चिनगारी पकड़ने वाली वस्तुओं तथा धावरात और अर्थात् मुझे धान में मुक्त रखा जाएगा।

26. भूयोजन :—

(i) ज्वलनशील द्रवणीय गैसों के भण्डारकरण के लिए उपयोग में लाए जाने वाले सभी पात्र प्रभावशाली ढंग से बिद्युत द्वारा पृथ्वी से संयोजित होंगे।

(ii) पर्याप्त पात्र लाइनें बिद्युत विरंतरता बनाये रखने के लिए ज्वलनशील द्रवों को बहने करने वाली बनाई जाएंगी और प्रभावशाली ढंग से पृथ्वी से संयोजित की जाएंगी।

27. धूम्रपान निषेध :—

धूम्रपान या नग्न लाइट का प्रविबंध करते हुए कम से कम 5 सेटीमीटर ऊंचे अक्षरों में एक स्थायी नोटिस उस क्षेत्र, जहाँ ज्वलनशील और आक-सीक्ता के गैसों का भण्डारकरण किया जाता है, के चारों ओर घेरे में लगायी जाएंगी और नोटिस बाहर से हटस्य होगी।

28. अग्नि संरक्षण :—

ज्वलनशील संपीड़ित गैसों के भण्डारकरण के लिए सभी पात्र आग के खतरे से निम्नानुसार सुरक्षित रखे जाएंगे :—

(i) स्थानीय अग्नि सेवा अनुदेशों के अनुसार भण्डार क्षेत्र में पर्याप्त जल प्रदाय और अग्नि से सुरक्षा का प्रबंध किया जाएगा। जल का प्रयोग बम्बाल होजे एवं गतिशील उपस्कर, निश्चित मानीटर या निश्चित फुहारा पद्धति के द्वारा जो स्वयंचालित हो, हो सकती है। जल प्रवाह का नियंत्रण किसी खतरनाक क्षेत्र के बाहर से संभव होना चाहिए।

(ii) बम्बा, जहाँ व्यवस्था की गई है, सहज ही सभी जगह सुगम्य होंगे और बीच में अंतर इस प्रकार का होगा कि सभी पात्रों के सुरक्षा की व्यवस्था की जा सके।

(iii) अग्नि अभिनाल की पर्याप्त लंबाई होगी और सहज ही उपलब्ध हो सकेगी। प्रत्येक होज लाईन के निर्गम द्वार संयोजित जेट और (फॉग

मोजल) से युक्त होंगे। होंजों की अच्छी तरह रखा जाएगा और समय नमूने पर जांच की जाएगी।

(iv) गतिशील उपकरण, निश्चित मानीटर या निश्चित फुहार प्रणाली इस प्रकार बनाई जाएं कि अग्नि शक्तों के अधीन जल की मात्रा बनायी रखने की गति के साथ पर्याप्त जल छोड़ सके।

(v) जल भरने और खाली करने वाले क्षेत्रों के लिए उपयुक्त और प्रभावशाली सुरक्षा देने वाली गतिशील या स्थिर जल फुहार प्रणाली के प्रबन्ध पर ध्यान दिया जाएगा।

(vi) कम से कम दो शुष्क रासायनिक पाउडर प्रकार के प्रत्येक 9 किलोग्राम क्षमता के अग्निशामक संस्थापन के हर प्रवेश बिन्दु पर संस्थापित किए जाएंगे।

29. भगाई और उतराई सुविधाएं:—

(i) पंप अभिकेंद्री या घनात्मक विस्थापन के हो सकेंगे।

(ii) डिजाइन सामग्री और पंपों की संनिर्माण प्रयोग में लाई जाने वाली गैस के प्रकार के लिए उपयुक्त होगा और उच्चतम निकास दाब के लिए जो प्रचालन के अधीन के अनुसार डिजाइन किए जाएंगे।

(iii) घनात्मक विस्थापन पंपों में उपमार्ग वाल्व या अतिदाब के विरुद्ध अन्य उपयुक्त संरक्षण होगा।

(2) संपीड़ित:—

(i) संपीड़ित की डिजाइन सामग्री और संरचना उस प्रकार की गैस के लिए जिसमें उन्हें प्रयोग किया जाता है, उपयुक्त होगी और उच्चतम निकास दाब, जिसके प्रचालन के वे अधीन होंगी, के लिए डिजाइन किए जाएंगे।

(ii) बहुसोपान संपीड़ित से भिन्न संपीड़ित, भरे जा रहे पात्रों के वाष्प संचयन का धूषण करेंगे।

(3) स्थानान्तरण प्रणाली:—

(i) स्थानान्तरण प्रणाली इस प्रकार डिजाइन की जाएगी कि उच्चतम वाष्प दाब की गैस के निम्नतर वाष्प दाब के गैस के उपस्कार में स्थानान्तरित होने का खतरा न्यूनतम हो जाए।

(ii) प्रवाह की द्रुतगति को बंद करने के प्रभावी साधन उस पात्र से जो भरा जा रहा है या खाली किया जा रहा है, सुरक्षा दूरी पर स्थित होंगे।

(iii) प्रतिभरण को रोकने के लिए उच्चतम अनुज्ञेय ऊंचाई या स्वचालित बंद वाल्व के सद्गुण स्वयं शामिल सूचक प्रणालियों का प्रयोग किया जाएगा।

(4) होज:—

(i) द्रव स्थानान्तरण के लिए होज इस प्रकार डिजाइन किए जाएंगे कि सेवा में उच्चतम प्रचालन दाब, जो वे वहन करते हैं, कम से कम चार गुना हों।

(ii) होज संयंत्र और विद्युत से चालू रहेगा।

30. स्थानान्तरण संक्रिया:—

गैस के स्थानान्तरण के पूर्व:—(i) प्रत्येक यान का संस्थापन के समय, इस बात को सुनिश्चित करने के लिए कि वह इन क्रियाओं की अपेक्षाओं की पूर्ण रूप से पूर्ति करता है, परीक्षण किया जाएगा और भरने के लिए भेजने से पूर्व पूर्णतः खाली कर लिया जाएगा।

(ii) भरण या विसर्जन प्रक्रिया के प्रारम्भ होने के पूर्व असामान्य या अतृप्त परिस्थितियों की दृष्टि से पास-पड़ोस का परीक्षण किया जाएगा।

(iii) यथा आवश्यक चेतावनी सूचनाएं लगाई जाएंगी।

(iv) ग्राही पात्र का इस बात को सुनिश्चित करने के लिए कि इसमें स्थानान्तरित की जा रही गैस को ग्रहण करने के लिए पर्याप्त खाली जगह है, परीक्षण किया जाएगा।

(v) अनसंयोगी प्रणाली अर्थात् पार्प कार्य, फिटिंगें, वाल्व या होज यह सुनिश्चित करने के लिए परीक्षण किया जाएगा कि यह सुरक्षित गैस हालत में है और केवल स्थानान्तर संक्रियाओं में अपेक्षित वाल्व अन्य फिटिंगें और साथ-साथ कोई अन्य प्रचालन प्रक्रियाएं ही खुली हैं।

(2) स्थापान्तर के दौरान ग्राही पात्र का यह सुनिश्चित करने के लिए परीक्षण किया जाएगा कि यह उसकी सुरक्षा भरण क्षमता में या इसके डिजाइन दाब से पड़े नहीं भरा जा रहा है।

(3) स्थानान्तर पूर्ण होने पर यान को अनुज्ञात परिसर को छोड़ने की अनुमति देने के पूर्व, यदि यान द्रवणीय गैस से भरा है तो इसमें भरी हुई संपीड़ित गैस को सुनिश्चित करने के लिए वजन-मुल पर इसका वजन किया जाएगा।

(4) यानों में संपीड़ित गैस से पात्रों के भरने समय अन्य अपेक्षाओं की पूर्ति के अतिरिक्त निम्नलिखित अपेक्षाओं का पालन किया जाएगा, अर्थात्:—

(i) वह स्थान, जहां यान खड़ा किया जाता है, ठीक तरह से समतल होगा।

(ii) स्थानान्तर संक्रिया के दौरान दुर्घटनात्मक संचरण से यान को रोका जाएगा। जब पंप को चलाना आवश्यक है तब के सिवाय यान खड़ा करने के ब्रेक चालू रहेंगे व इंजन बन्द रहेगा। जहां आवश्यक हो वही अक्रोधिक ब्लॉक उपयोग में लाया जाएगा।

(iii) स्थानान्तर संक्रिया के लिए कोई चालक इकाई या अनावश्यक विशेषतः अनधिकल्पित, विद्युत उपस्कर बंद कर दिए जाएंगे या पृथक कर दिए जाएंगे।

(iv) किसी ज्वलनशील, द्रवणीय गैस की स्थानान्तर संक्रिया पूरा करने के पूर्व यान पर आरंभ पात्र, संस्थापन से विद्युत बंद किया जाएगा।

(v) यान को हटाने के पूर्व, विद्युत और द्रव तथा वाष्प संबंध तोड़ दिए जाएंगे, अधिष्ठावन को रोकने के लिए सावधानी रखी जाएगी। जहां अक्रोधिक ब्लॉक का प्रयोग किया जाता है, उन्हें हटा दिया जाएगा।

यान का यह सुनिश्चित करने के लिए परीक्षण किया जाएगा कि यह सुरक्षित चालू हालत में है और आस पास के क्षेत्रों का, यह सुनिश्चित करने के लिए परीक्षण किया जाएगा कि द्रवणीय ज्वलनशील गैस जो रिस सकती है जिसका निकास होमा है, सुरक्षित रूप से निकल गई है।

(5) संक्रिया के दौरान ध्यान:—

(i) स्थानान्तर से संबंधित समस्त संक्रियाओं के दौरान एक सक्षम व्यक्ति उपस्थित रहेगा और सुनिश्चित करेगा कि इन नियमों की सभी अपेक्षाओं की पूर्ति की जाती है।

(ii) यान लड़ाई प्रचालनों को अस्थायी तौर पर रोक रखना आवश्यक है। ऐसी रोक के दौरान लड़ाई होज यान से अलग कर दिए जाएंगे।

(6) स्थानान्तरण प्रचालनों का भारसाधक व्यक्ति यह सुनिश्चित करेगा कि—

(i) कोई रिसने:

(ii) नजदीक में धाग लगना;

(iii) ऐसे प्रचालन की स्थिति में, जिसमें ज्वलनशील गैसों का निकास अतृप्त है, समीप में विद्युत सूफान ध्यान की स्थिति में स्थानान्तर प्रचालन बंद कर दिए जाएं।

31. विद्युत उपकरण और संस्थापन :—

(1) किसी भण्डार पात्र से होकर कोई विद्युत तार नहीं जाएगा।

(2) सुरक्षा जोन में संस्थापित सभी विद्युत तार या ज्वलनशील गैसों के भण्डारकरण के लिए कोई भण्डारण पात्र अनुमोदित प्रकार के विद्युत रोधी केवल (समूची तारों) का बना होगा। केवल यंत्रबद्ध पूर्ण-तया चालू रहेंगे और पात्रों से प्रभावशाली ढंग से भूचरित कर दिए जाएंगे।

(3) ज्वलनशील संपीड़ित गैसों की परीक्षा के लिए उपयोग में लाए जाने वाली पंपों व पंप कक्षों के लिए—

(1) सभी विद्युत मीटर वितरण बॉर्ड, स्विच, फ्यूज, प्लग और सर्किट भा० भा० : 2148, 1968 की अपेक्षाओं की पूर्ति करने हुए ज्वालामुह संरचना के होंगे और फेंमें प्रभावशाली ढंग से भूचरित की जाएंगी।

(2) भारतीय मानक : 2206 (भाग 1) 1962 के अनुसार सभी विद्युत स्थित लैंप अच्छे ज्वालामुह बांध फिटिंगों में संलग्न किये जायेंगे।

(3) सभी विद्युत परिवहनीय हस्तक्षेप मुख्य नियंत्रक द्वारा अनुमोदित रीति के होंगे।

32. भण्डारकरण एवं प्रकाशन क्षेत्रों में प्रकाश :—

रात्रि के दौरान प्रकाशन चालू नहीं रखे जायेंगे सिवाय तब के जब कि पर्याप्त अनुमोदित प्रकार का कृत्रिम प्रकाश उपलब्ध हो और उपयोग में लाया जाता हो।

33. सुरक्षा का प्रमाणपत्र :—

किसी संपीड़ित गैस के भण्डारकरण के लिए प्रयोग में लाये जाने वाले पात्र के या जब भी कोई जोड़ संस्थापनों या आधारशिला के परिवर्तनों को पूरा किया जाता है तो ऐसा करने के पूर्व निम्न प्रोफार्मा में अनुमति प्राधिकारी की मध्य व्यक्ति हस्ताक्षरित प्रमाणपत्र देगा।

सुरक्षा प्रमाणपत्र प्रोफार्मा

मैं प्रमाणित करता हूँ कि श्री संस्थापन के अधिभोगी का पूरा नाम व पता संस्था का (गांव, पुलिसस्थाना, जिला आदि) में गैस संस्थापन मुख्य नियंत्रक द्वारा अनुमोदित प्रकार के विनियमों और प्लान के अनुसार तथा अनुमति फार्म की शर्तों अनुसार सन्निहित गया है और मेरे विचार में संस्थापन एवं उपर्युक्त भूखान पात्रों की आधारशिला इस प्रकार की है और सभी पात्र इस प्रकार संस्थापित किए गए हैं जिसमें सुरक्षित रखने का प्रबंध सुनिश्चित रहे।

स्थान : मध्य व्यक्ति के हस्ताक्षर
तारीख : पूरा नाम
..... पद और अहंता
..... पूरा डाक पता

अध्याय-4

परिबहन

34. लागू होता :—

इस अध्याय के नियम यानों द्वारा संपीड़ित गैस के परिवहन के लिए लागू होंगे।

35. संपीड़ित गैस के परिवहन के लिए यान :—

(1) संपीड़ित गैस के परिवहन के लिए प्रत्येक यान, मुख्य नियंत्रक द्वारा विहित रूप में अनुमोदित प्रकार का होगा।

(2) उपनियम (1) के अधीन या इसकी विशेष सुरक्षा फिटिंगों के लिए जहां अनुमोदित मांगा जाता है, पैमाने पर खींचें 12 विस्तृत आरेख और पंचाम रुपये की संवीक्षा फीस मुख्य नियंत्रक को प्रेषित की जाएगी।

(3) उपनियम (2) के अधीन आरेख की प्राप्ति के पश्चात् और आगे ऐसी आंच करने के उपरांत जैसा वह आवश्यक समझे यदि मुख्य नियंत्रक का यह समाधान हो जाना है कि यथास्थिति यान या विशेष सुरक्षा फिटिंग नियमों में दी गई अपेक्षाओं की पूर्ति करनी है, वह आरेख को अनुमोदित करेगा और आवेदक को सम्यक् रूप से पूर्णकृत एक प्रति वापिस करेगा।

36. डिजाइन :—

(1) संपीड़ित गैस के परिवहन के लिए प्रत्येक पात्र नियम 12 की अपेक्षाओं के अनुसार सन्निहित और परीक्षित किया जाएगा और इस नियम के उपनियम (2), (3), (4) और (5) की अपेक्षाओं को पूरा करेगा।

(2) डिजाइन त्वरण में सामान्यतः रोड पर चलने से लगने वाले धक्के को रोकने के लिए न्यूनतम 3 ग्राम तक त्वरण व मंदन की छूट रहेंगी। जब पात्र स्वावलंबी हो तब पात्र डिजाइन सामान्यतः बेचिस फ्रेम द्वारा बहन किए जाने वाले त्वरण का बहन करेगी। पात्र के संलग्नों से उद्भूत स्थानिक त्वरणों के वितरण की व्यवस्था की जाएगी।

(3) बेचिस पर या फ्रेम के नीचे पात्रों का आरोपण इस प्रकार किया जाएगा कि कंपन न्यूनतम रहे।

(4) पात्र के लगे समस्त संलग्नों के धक्के, प्रतिचलन या अन्य सक्रियात्मक कारणों से होने वाली दुर्घटनात्मक हानियों से रक्षा की जाएगी।

(5) समस्त पात्रों को अत्यंत कठोर एकत्रित प्रतिबल का गैसवाह पंपाव और परिवहन शर्तों के कारण जो प्रयास भारणों के अधीन हो सकता है, सामना करना पड़ेगा।

37. बाल्वों और सहायकों की सुरक्षा :—

(1) समस्त बाल्व और सहायक, दुर्घटनात्मक नुकसान और हस्तक्षेप से सुरक्षित रखे जाएंगे।

(2) बाल्व और सहायक इस प्रकार आरोपित और परीक्षित किए जाएंगे कि शाखा की जिससे बाल्व या सहायक संयोजित है, दुर्घटनात्मक फटाव की जोखिम न्यूनतम हो जाए।

(3) यान के पिछले भाग में स्थित बाल्व या सहायक बाब के फ्रेम के पिछले क्राम अवयव द्वारा नुकसान से परिरक्षित रखे जाएंगे और उपनियम (2) का पालन किया जाएगा।

38. उपस्कर :—

(1) पाइपिंग फिटिंग, पंप और मीटर :—

(i) निम्नलिखित द्वारा लगाए गए अत्यंत कठोर संयुक्त प्रतिबल को रोकने के लिए यान पर समस्त पाइपिंग फिटिंग, पम्प और मीटर स्थायी रूप से डिजाइन किए जाएंगे, अर्थात् :—

(क) पात्र का उच्चतम डिजाइन दाब ;

(ख) आरोपित पम्प दाब या रोड चलने से हुआ प्रधान भारण ;

(ii) पात्र उपस्कर के लिए उपयोग में लाई जाने वाली सामग्री विषम प्रयोग और दुर्घटनात्मक क्षति को रोकने के लिए पर्याप्ततः पम्प होंगी। मतलब सामग्री, यथा बला हुआ लोहा उपयोग में नहीं लाया जाएगा।

(2) पाइपिंग और उपस्करों की परिरक्षा :—

(i) विषम उपयोग, टक्कर या प्रतिचलन से होने वाले दुर्घटनात्मक नुकसान को न्यूनतम करने के लिए पाइपिंग और उपस्कर पर्याप्ततः सुरक्षित रखे जाएंगे।

(ii) किसी भी उपस्कर या पाइपिंग को जिसमें ब्रव डाला जा सके, प्रज्वलित के तापीय प्रसार से होने वाले अनिष्ट दाब से सुरक्षित रखे जाएंगे।

(3) संयोजन का चिह्निकन —

यान के समस्त संयोजनों का, जिसका यान के प्रचालक द्वारा हरेक कर दिया जाता अपेक्षित है, गहन प्रचालन से रोकने के लिए साफ-साफ चिह्नित करना चाहिए। इस चिह्निकन का प्रकार यान के लिए दी गई प्रचालन विधि से मिलना चाहिए।

3.8 यान डिजाइन विचार —

(1) साधारण —

यान की चौकी में पात्र सुरक्षित रूप से इस प्रकार लगाया जाएगा कि यान गति एक दम मंद होने से पात्र के हिलने झुलने पर ध्यान रखा जा सके।

(2) डिजाइन सुरक्षा अपेक्षाएं, यात्रिक।

(i) यान का इंजन अंतर्वहन, प्रकार का होगा।

(ii) जहां ईंधन प्रणाली गुरुत्वीयकरणयुक्त है, एक त्वरित कार्य करने वाले रिमन रोक बाल्व को ईंधन भरण पाइप में मरगता से उपमन्य एवं स्पष्टतः चिह्नित स्थिति में लगाया जाएगा।

(iii) तमस्त विद्युत जनरेटर, मोटर, बैटरी, स्विच गियर और पंपों के साथ इंजन और रेखन प्रणाली पात्र या यान के ढांचे से अग्निरोधी कवच या अनुमोदित अग्निरोधी कक्ष से अनुलभकों के द्वारा दक्षता-पूर्वक जांच किए जाएंगे।

(iv) खण्ड (i) (ii), और (iii) में उल्लिखित उपस्कर जब चालान केब के पीछे भागे की ओर लगाये जाते हैं, बाल्व केब को स्वीकृत कवच के रूप में काम करने वाला माना जा सकता है परन्तु यह तब जब कि केब का पश्च छत और फर्श, केब की पूर्ण चौड़ाई तक अग्निरोधी बनावट के हैं, पीछे या छत में कोई द्वार नहीं है और पिछला भाग चौकी के शीर्ष के नीचे की ओर जाता है।

(v) जब केब का संनिर्माण उपयुक्त अपेक्षाओं की पूर्ति नहीं करता है, तब पृथक् अग्निरोधी कवच चौकी के शीर्ष से पात्र के शीर्ष तक बिना किसी जोर के संस्थापित करना चाहिए।

(vi) किसी भी स्थिति में, जब कवच में खिड़कियां दी हों, ये अग्निरोधी फ्रेमिंग में तार लगे कांच या अन्य तापप्रही गामों के साथ लगाई जाएगी और खाली जाने के योग्य न होंगी।

(vii) जब खण्ड (i), (ii) एवं (iii) में निर्दिष्ट उपस्कर केब के पिछले भाग के पात्र में आरोपित किए जाएंगे, अनुमोदित अग्निरोधी कक्ष में पूर्णतः रखे जाएंगे।

(viii) किसी स्थिति में जब पात्र को नोदित करने के लिए उपयोग में लाया जाने वाला ईंधन 65° सेंटीग्रेड से कम तापमान पर ज्वलनशील बाष्प देता है, ईंधन टैंक तब तक शील्ड के पीछे न होगा जब तक कि निम्नलिखित अपेक्षाओं का पूर्ति न कर ली जाए, अर्थात् —

(क) ईंधन टैंक मजबूत डम्पान रक्षकों या यान के फ्रेम से सुरक्षित रखा जाता है ;

(ख) यान के ईंधन वैक का भरण पाइप, ताला की व्यवस्था वाले ठक्कन सहित दिया जाता है ;

(ग) अग्निरोधी कवच के सामने रखा हुआ भरण यंत्र, ईंधन टैंक की अंतर्वस्तु का छाड़ने के काम आता है।

(ix) जहां स्थान पररण पम्प यान के इंजन द्वारा चलाया जाता है, केब के बाहर से इंजन को बंद करने की व्यवस्था की जाएगी।

1293 GI/80—2

(3) डिजाइन सुरक्षा अपेक्षाएं (वैद्युत) :—

यान के वैद्युत और स्थिरोधी गुणधर्मों के संबंध में निम्न अपेक्षाओं की पूर्ति की जाएगी, अर्थात् :—

(i) वैद्युत प्रणाली में—

(क) मरगता से अभिगम्य स्थिति में बैटरी ;

(ख) शीघ्रता से अभिगम्य कम से कम 300 ऐम्पियर का चिच्छेदक स्विच।

(ग) वापरिंग इस प्रकार लगाई गई और सुरक्षित हो जिसमें दुर्घटनात्मक नुकसान या अनुचित छोड़न न्यूनतम होंगी।

(ii) पात्र व चौकी में वैद्युत प्रवाह जारी रहेगा।

(iii) यान में बंधन बिंदु व बंधक केबल ब्रिया होगा।

(iv) टायर “स्थिरता-रोधी” प्रकार के होंगे।

4 डिजाइन सुरक्षा अपेक्षाएं साधारण :—

(i) केब के पश्च और पात्र के सामने न्यूनतम 15 सेंटीमीटर की जगह होगी।

(ii) पात्र की सीजन मजबूत हवात के बम्पर द्वारा सुरक्षित की जाएगी और बम्पर —

(क) इस प्रकार लगे होंगे कि संघट्ट प्रतिबलपान के ढांचे या संघित यान के सामने में पात्र के चक्रों को संभाले हुए ढांचे में संघेषित कर दिए जाएंगे।

(ख) पात्र के अत्यंत पिछले भाग के पश्च में न्यूनतम 7.5 सेंटीमीटर पर स्थित हों ;

(ग) यान के प्रत्येक पार्श्व में कम से कम पात्र को अधिकतम चौड़ाई तक बड़ा दो जायें।

(iii) द्रवणीय गैस का, जिसके लिए यान डिजाइन किया गया है, अधिकतम वजन, भार उतारे हुए (खाली) यान के वजन और समुचित परिबहन विनियमों के अधीन उम वर्ग के यानों के लिए अनुज्ञान अधिकतम वजन के बीच के अंतर से अधिक नहीं होगा।

4.1 यानों का चिह्निकन —

सभी यानों में पात्रा पर, यह दर्शाने के लिए कि कौनसा उत्पादन से आया जा रहा है, स्पष्टतः चिह्निकन किया जाएगा।

4.1 अग्नि सुरक्षा :—

(i) उपयुक्त आकार प्रकार के दो उपयुक्त अग्निशमक प्रत्येक यान के पार्श्व में रखे जाएंगे और केब के बाहर से अभिहृष्य होने चाहिए।

(ii) ज्वलनशील गैस का बहन करने वाले यान में या उसमें उपस्थित रहने वाला कोई व्यक्ति धूम्रपान नहीं करेगा या माचिस या लाइटों का प्रयोग नहीं करेगा।

(iii) ज्वलनशील गैस को बहन करने वाले किसी यान पर, अग्नि-कुक्षिम प्रकाश या भाग लगाने वाला या विस्फोट करने वाला कोई भी सामान न ले जाया जाएगा या न बहन किया जाएगा।

4.2 प्रचालन :—

(1) चालकों का सावधानीपूर्वक ध्यान किया जाएगा और उन्हें चालन में तथा उपस्करों और यान में बहन की जा रही संपीड़ित गैस के सुरक्षित रूप से संभालने का समुचित प्रशिक्षण दिया जाएगा।

(2) जब प्रचालन के अपने परिसरों में भारण या विसर्जन का काम होता है, प्रचालन के दौरान बालक या कोई मध्यम व्यक्ति उपस्थित रहेगा।

(3) जब विसर्जन का कार्य ग्राहक के परिसरों में चल रहा है, बालक अपने यान के साथ ऐसी स्थिति में रहेगा कि संकट के समय विसर्जन को सुरत बंद कर सके।

(4) प्रत्येक यान पर कम से कम एक व्यक्ति द्वारा लगातार ध्यान दिया जावेगा जो इस अध्याय में दिए गए नियमों का जानकारी होगा परन्तु इस उपनियम में का कुछ भी उन यानों के लिए लागू नहीं होगा जो इस प्रयोजन के लिए मुख्य नियंत्रक द्वारा पञ्चम अतुमोदिन म्यानों पर हैं।

(5) स्वनिर्धारित स्थान से दूर रात्रि भर ठहरने की स्थिति में, रात्रि भर यान के सुरक्षित रखने की पूर्ण व्यवस्था की जाएगी। आपात-काल में बालक यान खड़ा करने के लिए उपयुक्त सुविधा पाने के लिए स्थानीय पुलिस का सहयोग ले सकता है।

43 सुरक्षा का प्रमाणपत्र :—

किमी संपीड़ित गैस के परिवहन के लिए किसी यान को उपयोग में लाने के पूर्व, मध्यम व्यक्ति द्वारा हस्ताक्षरित इस आशय का सुरक्षा प्रमाण-पत्र कि यान इस अध्याय में दिए गए नियमों के उपबंधों की पूर्ति करता है, अनुज्ञप्ति प्राधिकारी को प्रस्तुत किया जाएगा।

44 यानों का निरीक्षण और असुरक्षण :—

(i) यान का यह सुनिश्चित करने के लिए कि यह हर समय रोड पर चलने लायक है, और यह भरने, परिवहन और इसके भार को सुरक्षित रूप से विसर्जन करने के लिए ठीक दशा में है, निरीक्षण किया जाएगा।

(ii) यान का रोटेशन परीक्षण और असुरक्षण किमी मध्यम व्यक्ति द्वारा नियमित अंतरालों में जो तीन मास में अधिक न होगा किया जाएगा।

अध्याय 5

अनुज्ञप्ति

45. संपीड़ित गैस के भण्डारण के लिए अनुज्ञप्ति :—

इन नियमों के अधीन मंजूर अनुज्ञप्ति की शर्तों के अधीन और उसके अनुसार के सिवाय कोई व्यक्ति संपीड़ित गैस का किसी भी बाब पात्र में भण्डारण नहीं करेगा।

46. अनुज्ञप्ति के लिए प्रस्थापित परिसरों के विनिर्देशों और प्लानों का पूर्व अनुमोदन :—

(i) किसी बाब पात्र में किसी संपीड़ित गैस का भण्डारण करने के लिए अनुज्ञप्ति प्राप्त करने का इच्छुक प्रत्येक व्यक्ति मुख्य नियंत्रक को निम्नलिखित प्रस्तुत करेगा :—

(i) स्केन पर खींचे गये तीन प्रतियों में स्पष्टतः दर्शक विनिर्देश और प्लान—

(क) उस रीति में जिसमें इन नियमों में विहित उपबंधों का अनुपालन किया जाएगा ;

(ख) अनुज्ञप्ति के लिए प्रस्तावित परिसर, जिस का क्षेत्र सम्पष्टतः रंगकर या अन्यथा अंकित करके दिखाया जाएगा ;

(ग) अनुज्ञापत्र के लिए प्रस्तावित सभी सुविधाओं के छोर से 100 मीटर के भीतर स्थित चतुर्दिक् क्षेत्र ;

(घ) अनुज्ञापत्र के लिए प्रस्तावित परिसर के भाग स्वरूप सभी पात्रों, सभी बाखों और फिटिंगों भराई और निकास पंपों और अग्निशमन सुविधाओं और अन्य सभी सुविधाओं की स्थिति क्षमता, निर्माण सामग्री और भूमि तथा उन्नयन चित्र ; और

(ii) सी रुपये की संवीक्षा फीस, जो नियम 11 में विनिर्दिष्ट रीति से संवत की जाएगी।

(2) अनुज्ञापत्र के प्रस्तावित परिसर के विनिर्देश और प्लान की संवीक्षा करने के पश्चात् तथा ऐसी जांच करने के पश्चात् जैसी वह ठीक समझे, यदि मुख्य नियंत्रक का यह समाधान हो जाता है कि अनुज्ञप्ति के लिए प्रस्तावित उस परिसर में संपीड़ित गैस का भण्डारण किया जा सकता है तो वह आवेदक को विनिर्देश और प्लान में से प्रत्येक की एक-एक प्रति अपने हस्ताक्षर सहित और ऐसी शर्तों पर जो वह विनिर्दिष्ट करें, मंजूरी सहित आवेदक को वापस कर देगा।

47. संपीड़ित गैस के परिवहन के लिए अनुज्ञप्ति :—

(1) बाब पात्र में भरी हुई किसी संपीड़ित गैस, का, यान में, सिवाय इन नियमों के अंतर्गत मंजूर की गई अनुज्ञप्ति के शर्तों के अधीन वे उनके अनुसार परिवहन नहीं किया जाएगा।

(2) रेल प्रशासन द्वारा बाब पात्र में भरी हुई संपीड़ित गैस के परिवहन के लिए इन नियम का कुछ भी लागू नहीं होगा।

48. अनुज्ञप्ति की मंजूरी :—

मुख्य नियंत्रक, इन नियमों से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट फीस का संवाय करने पर, इन नियमों के अधीन विहित अनुज्ञप्ति मंजूर करेगा।

49. अनुज्ञप्ति के लिए आवेदन :—

इन नियमों के अधीन अनुज्ञप्ति अभिप्राप्त करने या उनमें नवीकरण का इच्छुक व्यक्ति मुख्य नियंत्रक को निम्नलिखित प्रस्तुत करेगा :—

(1) आवेदन :—

(क) प्ररूप 1 में, यदि आवेदन अनुज्ञप्ति के प्ररूप III के संबंध में हो, और

(ख) प्ररूप II में, यदि आवेदन अनुज्ञप्ति के प्ररूप I के संबंध में हो।

(2) यथास्थिति नियम 33 और नियम 43 के अधीन सुरक्षा प्रमाण-पत्र।

(3) नियम 35 और 46 के अधीन मुख्य नियंत्रक द्वारा अनुमोदिन आरेखण की 4 प्रतियां।

50 वह अधि जिसके लिए अनुज्ञप्ति मंजूर या नवीकृत की जा सकती है—

(1) प्ररूप III में अनुज्ञप्ति, जो इन नियमों के अधीन मंजूर की जाए या नवीकृत की जाए, उस वर्ष के 31 मार्च पर्यंत प्रवृत्त रहेगी जिस वर्ष तक के लिए अनुज्ञप्ति मंजूर या नवीकृत की गई है, किन्तु वह अधिक से अधिक तीन वर्ष के लिए होगी।

(2) उपनियम (1) में किमी बान के होने हुए भी, जहाँ मुख्य नियंत्रक का यह समाधान हो जाता है कि अनुज्ञप्ति किसी ऐसे विशिष्ट कार्य के लिए अपेक्षित है जिसके उस वर्ष के, जिस वर्ष के लिए अनुज्ञप्ति मंजूर की गई है या नवीकृत की है, 31 मार्च तक समाप्त होने की संभावना नहीं है तो वह उतनी अधि के लिए जितनी वह आवश्यक समझे, अनुज्ञप्ति मंजूर कर सकता है या नवीकृत कर सकता है।

(3) यान द्वारा संपीड़ित गैस के परिवहन के लिए प्ररूप IV में अनुज्ञप्ति ऐसी अधि के लिए मंजूर की जा सकती है जो मुख्य नियंत्रक आवश्यक समझे किन्तु वह अधिक से अधिक एक वर्ष के लिए होगी।

51. अनुज्ञप्ति की विशिष्टियां :—

(1) इन नियमों के अधीन मंजूर की गई प्रत्येक अनुज्ञप्ति उसमें विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रखी जाएगी और उसमें वे सब विशिष्टियां होंगी जो इन नियमों के अधीन विनिर्दिष्ट प्ररूप में अपेक्षित है।

(2) अनुज्ञप्ति परिसर के लिए रेखाचित्र/नो की एक प्रति पर मुख्य नियंत्रक के अनुमोदन के प्रतीकस्वरूप हस्ताक्षर किए जाएंगे और उसको अनुज्ञप्ति के साथ लगाया जाएगा और वह ऐसे अनुज्ञप्ति के भाग के रूप में होगा। रेखाचित्र की एक तत्कालीन नाप प्रति मुख्य नियंत्रक के कार्यालय में अभिलेख के लिए फाइल की जाएगी।

52. शर्तों में परिवर्तन करने की अनुज्ञापत्र प्राधिकारी की शक्ति :—

नियम 51 में किसी बात के होते हुए भी मुख्य नियंत्रक अनुज्ञप्ति के प्रारूप में विनिर्दिष्ट शर्तों में से किसी का लोप कर सकता है, उसमें परिवर्तन कर सकता है या उनमें और कुछ जोड़ सकता है।

53. अनुज्ञप्ति परिसरों में परिवर्तन के लिए पूर्व अनुमोदन आवश्यक :—

(1) अनुज्ञप्ति परिसरों में तब तक कोई परिवर्तन नहीं किया जाएगा जब तक कि ऐसे परिवर्तन को दक्षिण करने वाला रेखाचित्र मुख्य नियंत्रक द्वारा लिखित रूप में अनुमोदन नहीं कर दिया जाता।

(2) अनुज्ञप्ति परिसरों में परिवर्तन करने का इच्छुक कोई व्यक्ति अनुज्ञापत्र प्राधिकारी के समक्ष :—

(i) अनुज्ञप्ति परिसर के समुचित रूप से आरेखित रेखाचित्र की 3 प्रतियां जिनमें कि प्रस्तावित परिवर्तन को अलग रंग में दर्शाया गया हो तथा परिवर्तन के कारणों सहित प्रस्तुत करेगा।

(ii) नियम 11 में विहित रीति में दस्त रूप की संवोधा फीस का संवाय करेगा।

(3) प्रस्तावित परिवर्तन दर्शाने वाले रेखाचित्र की समीक्षा करने के पश्चात् और ऐसी शर्त करने के पश्चात् जैसी वह ठीक समझे, यदि मुख्य नियंत्रक का यह समाधान हो जाता है कि प्रस्तावित परिवर्तन किए जा सकते हैं तो वह अनुज्ञप्तिधारी को रेखाचित्र की अपनी हस्ताक्षरित एक प्रति वापिस कर देगा और अपनी मंजूरी ऐसी शर्तों पर, जैसी कि वह विनिर्दिष्ट करे, सूचित करेगा।

(4) जैसे ही मंजूर किए गए परिवर्तन कर दिए जाते हैं, अनुज्ञप्ति-धारी अनुज्ञापत्र प्राधिकारी को अनुज्ञप्ति में संशोधन के लिए आवेदन करेगा।

54. अनुज्ञप्ति का संशोधन :—

(1) इन नियमों के अधीन मंजूर की गई कोई भी अनुज्ञप्ति मुख्य नियंत्रक द्वारा संशोधित की जा सकती है।

(2) अनुज्ञप्ति में संशोधन के लिए फीस दस्त रूप में होगी तथा इसके अतिरिक्त उसकी रकम, यदि कोई हो, और बेशी होंगी जितनी कि अनुज्ञप्ति के लिए मूलतः संशोधित फीस उस दशा में अधिक होती जब अनुज्ञप्ति मूलतः ही ऐसे संशोधित रूप में जारी की जाती।

(3) अनुज्ञप्ति में संशोधन का इच्छुक अनुज्ञप्तिधारी मुख्य नियंत्रक के समक्ष निम्नलिखित प्रस्तुत करेगा :

(i) यदि अनुज्ञप्ति संपीड़ित गैस के अधारकरण के लिए मंजूर की गई है तो प्रारूप I में और यदि अनुज्ञप्ति संपीड़ित गैस के परिवहन के लिए मंजूर की गई है तो प्रारूप II में सम्यक् रूप से भरा गया और हस्ताक्षरित आवेदन ;

(ii) संशोधन के लिए आशयित अनुज्ञप्ति और साथ ही उसमें संलग्न अनुमोदन रेखाचित्र ;

(iii) जहाँ अनुज्ञप्ति परिसर में कोई परिवर्तन कर दिया गया हो वहाँ नियम 53 के अधीन मुख्य नियंत्रक द्वारा मंजूर किए गए परिवर्तन दक्षिण करने वाले समुचित रूप में आरेखित रेखाचित्र की तीन प्रतियां ;

(iv) अनुज्ञप्ति के संशोधन के लिए उपनियम (2) में विनिर्दिष्ट फीस ;

(v) यदि नियम 13 के अधीन अपेक्षित हो, तो सुरक्षा प्रमाणपत्र।

55. अनुज्ञप्ति का नवीकरण :—

(1) इन नियमों के अधीन दी गई अनुज्ञप्ति का नवीकरण मुख्य नियंत्रक द्वारा किया जा सकता है।

(2) प्रारूप IV में अनुज्ञप्ति से भिन्न इन नियमों के अधीन मंजूर की गई प्रत्येक अनुज्ञप्ति, तीन वित्तीय वर्षों के लिए नवीकृत की जा सकती है यदि अधिनियम का या उसके अधीन बनाये गए नियमों का उस प्रकार नवीकृत अनुज्ञप्ति की किसी शर्त का उल्लंघन नहीं हुआ है।

(3) जहाँ कोई अनुज्ञप्ति जो एक वर्ष से अधिक के लिए नवीकृत की गई हो। उसके पर्यवेक्षण के पूर्व भ्रम्यपित कर दी जाती है वहाँ अनुज्ञप्ति के अनवसित भाग के लिए संशोधित नवीकरण फीस अनुज्ञप्तिधारी को वापिस कर दी जाएगी। परन्तु किसी ऐसे वित्तीय वर्ष के लिए नवीकरण फीस लौटाई नहीं जाएगी जिसके दौरान मुख्य नियंत्रक भ्रम्यपण के लिए नवीकृत अनुज्ञप्ति प्राप्त करता है।

(4) प्रत्येक आवेदन पत्र के साथ वह अनुज्ञप्ति जिसका नवीकरण होना है तथा अनुज्ञप्ति से संलग्न अनुमोदित रेखाचित्र लगे होंगे व नियम 11 में विहित ढग में नवीकरण फीस संवत् की जाएगी।

(5) अनुज्ञप्ति के नवीकरण के लिए प्रत्येक आवेदन इस प्रकार किया जाएगा कि वह अनुज्ञापत्र प्राधिकारी के पास उस तारीख से जिसको वह पर्यवेक्षण होती है कम से कम 30 दिन पूर्व पहुंच जाए और यदि आवेदन इस प्रकार किया जाता है तो अनुज्ञप्ति उस तारीख पर्यंत प्रवृत्त समझी जाएगी जिसको मुख्य नियंत्रक अनुज्ञप्ति का नवीकरण करता है या यह सूचना कि नवीकरण से इंकार कर दिया गया है, आवेदक को दे दी जाती है।

(6) जहाँ अनुज्ञप्ति के नवीकरण से इंकार कर दिया जाता है, नवीकरण के लिए संशोधित फीस, उसमें से अनुपातित उतनी फीस की कटौती करके जितना कि उस तारीख से जिसको कि अनुज्ञप्ति नवीकृत की जाती थी, आरम्भ होने वाली और जिस तारीख का अनुज्ञप्ति के नवीकरण से इंकार किया जाता है उस तारीख तक को अवधि के लिए हो, अनुज्ञप्ति-धारी को वापिस कर दी जाएगी।

(7) प्रत्येक वित्तीय वर्ष में अनुज्ञप्ति के नवीकरण के लिए उतनी ही फीस ली जाएगी जितनी कि उसकी मंजूरी के लिए :

परन्तु—

(i) यदि उपनियम (4) के अधीन अपेक्षित संलग्नकों के साथ आवेदन उपनियम (5) में विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर प्राप्त नहीं हो जाता तो अनुज्ञप्ति सामान्यतया देय फीस से दुगुनी रकम की फीस का संवाय करने पर ही नवीकृत की जाएगी।

(ii) यदि मुख्य नियंत्रक संलग्नकों सहित आवेदन उसके पर्यवेक्षण की तारीख के पश्चात् परन्तु पर्यवेक्षण की तारीख के तीस दिनों से पूर्व प्राप्त करता है तो अनुज्ञप्ति, ऐसी किसी भ्रम्य कार्रवाई पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना जो इन निम्न की जा सकती है सामान्यतया देय फीस की दुगुनी रकम का संवाय करने पर नवीकृत की जा सकती है :

परन्तु यह और कि अनुज्ञप्ति को एक बार में एक वित्तीय वर्ष की अवधि के लिए नवीकरण के लिए आवेदन की दशा में, प्रथम परन्तुक के खण्ड (i) या खण्ड (ii) के अधीन विहित फीस, यदि देय हो तो, केवल नवीकरण के प्रथम वित्तीय वर्ष के लिए दी जाएगी।

(8) यदि मुख्य नियंत्रक नवीकरण के लिए आवेदन उसके पर्यवेक्षण के तीस दिन के पश्चात् प्राप्त करता है तो अनुज्ञप्ति का नवीकरण नहीं किया जाएगा।

56. अनुज्ञप्ति से इंकार :—

(1) अनुज्ञप्ति मंजूर करने, उसमें कोई संशोधन करने या अतिरिक्त करने या इंकार करने वाले मुख्य नियंत्रक ऐसी इंकारी के कारण लेखबद्ध करेगा।

(2) ऐसी इकारी के कारणों से युक्त आवेदन की प्रति आवेदक को नियम 11 में विहित तरीके से पांच रुपये फीस का संदाय करने पर दी जाएगी।

57. अनुज्ञप्ति का निलंबन और रद्दकरण :—

इन नियमों के अधीन मंजूर की गई प्रत्येक अनुज्ञप्ति अधिनियम या इन नियमों या ऐसी अनुज्ञप्ति में सम्मिलित किसी शर्त के उल्लंघन के कारण, मुख्य नियंत्रक के आवेदन से, या यदि किसी समय अनुज्ञप्तिधारी के पास अनुज्ञप्ति का जारी रखना आपत्तिकारक समझा जाए तो केन्द्रीय सरकार द्वारा निलंबित या रद्द की जा सकती है :

परन्तु—

(1) इस नियम के अधीन किसी अनुज्ञप्ति को निलंबित या रद्द करने से पूर्व अनुज्ञप्तिधारक को सुनवाई का अवसर दिया जाएगा ;

(2) निलम्बन की अधिकतम अवधि तीन मास से अधिक की न होगी; और

(3) अनुज्ञप्ति निलंबित हो जाने से अनुज्ञप्तिधारी नियम 55 के उपबंधों के अनुसार उसके नवीकरण के लिए आवेदन करने से विवर्जित नहीं हो जाएगा।

2. उपनियम (1) में किसी बात के होते हुए भी, निम्नलिखित दशाओं में अनुज्ञप्तिधारी को निलंबित या रद्द करने के पूर्व सुनवाई का अवसर नहीं भी प्रदान किया जा सकता —

(1) जहां अनुज्ञप्ति अधिनियम या इन नियमों के उपबंधों में ऐसी किसी के या ऐसे अनुज्ञप्ति में सम्मिलित किसी शर्तों के अतिक्रमण के लिए मुख्य नियंत्रक द्वारा अंतर्गत उपाय के रूप में निलंबित कर दी जाती है या उसकी राय में, ऐसे अतिक्रमण से जनता को आसन्न खतरा होने की संभावना है :

परन्तु जहां अनुज्ञप्ति इस प्रकार से निलंबित की जाती है वहां मुख्य नियंत्रक अनुज्ञप्तिधारक को निलंबन के आवेदन को पुष्ट करने के पूर्व सुनवाई का अवसर प्रदान करेगा, अथवा

(2) जहां अनुज्ञप्ति केन्द्रीय सरकार द्वारा निलंबित या रद्द की जाती है यदि वह सरकार समझती है कि लोकहित में या राज्य की सुरक्षा के हित में ऐसा अवसर प्रदान नहीं किया जाना चाहिए।

(3) उपनियम (1) के अधीन अनुज्ञप्ति को निलंबित या रद्द करने वाला मुख्य नियंत्रक या केन्द्रीय सरकार ऐसा करने के कारणों की लेख-बद्ध करेंगे।

58. अनुज्ञप्ति के पर्यवेक्षण, निलम्बन या रद्दकरण की दशा में प्रक्रिया,—

संपीड़ित गैस के भण्डारण के लिए अनुज्ञप्त व्यक्ति के पर्यवेक्षण, निलम्बन या रद्दकरण की दशा में मुख्य नियंत्रक को अपने कब्जाधीन संपीड़ित गैस की दशा व मात्रा की तुरन्त सूचना देना और उन निर्देशों का पालन करेगा जो मुख्य नियंत्रक इसके प्रबन्धक संबंध में दें।

59. अपील—

(1) मुख्य नियंत्रक के अनुज्ञप्ति की मंजूरी या उसके संशोधन या नवीकरण से इकारी या अनुज्ञप्ति के रद्दकरण या निलम्बन के किसी आवेदन के विरुद्ध केन्द्रीय सरकार को अपील की जाएगी।

(2) प्रत्येक अपील लिखित होगी और उसके साथ उस आवेदन की व प्रति होगी जिसके विरुद्ध अपील की जा रही है। और पारित किये आवेदन के साठ दिन के भीतर प्रस्तुत की जाएगी।

60. अनुज्ञप्तिधारी की मृत्यु या निःशक्तता की दशा में प्रक्रिया :

(1) यदि अनुज्ञप्तिधारी की मृत्यु हो जाती है या वह दिवानिया हो जाता है या मानसिक रूप से असमर्थ हो जाता है या अक्षय या निःशक्त हो जाता है तो ऐसे अनुज्ञप्तिधारी का कारोबार चलाने वाला व्यक्ति उस अवधि के दौरान जो उस व्यक्ति के लिए अपने नाम में, उतनी अवधि के लिए जितनी कि उस वर्ष के सबसे में जिसमें कि अनुज्ञप्तिधारी की मृत्यु होती है, या वह दिवानिया हो जाता है या मानसिक रूप से असमर्थ हो जाता है अथवा अन्यथा निःशक्त हो जाता है, मूल अनुज्ञप्ति की शेष अवधि है, नई अनुज्ञप्ति देने के लिए आवेदन करने के लिए अनुज्ञा देने के लिए युक्तियुक्त रूप से अपेक्षित है, अनुज्ञप्तिधारी को प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करने के कारण अधिनियम या इन नियमों के अधीन किसी शक्ति या अधिहरण का भागी नहीं होगा :

परन्तु इस उपनियम की कोई बात, अनुज्ञप्ति की अवधि की समाप्ति के पश्चात् किसी व्यक्ति द्वारा इस उपनियम के अधीन किसी शक्ति का प्रयोग किया जाना प्राधिकृत करने वाली नहीं समझी जाएगी।

(2) मूल अनुज्ञप्ति की शेष अवधि के लिए इन नियम के अधीन आवेदन करने वाले किसी व्यक्ति का मंजूर की गई अनुज्ञप्ति के लिए पांच रुपये फीस प्रभारित की जाएगी।

61. अनुज्ञप्ति का खोना—

जहां इन नियमों के अधीन मंजूर की गई अनुज्ञप्ति खो जाती है या दुर्घटनावश नष्ट हो जाती है वहां उस रेखाचित्र को, जो कि अनुज्ञप्ति से संलग्न रेखाचित्र के समरूप हो, प्रतियां प्रस्तुत करने पर और नियम 11 में विहित ढंग से उस रूप का संदाय करने पर एक दूसरी प्रति मंजूर की जा सकती है।

62. मांगे जाने पर अनुज्ञप्ति का प्रस्तुत किया जाना,—

(1) इन नियमों के अधीन मंजूर की गई अनुज्ञप्ति का धारण करने वाला या उसके अधीन कार्य करने वाला प्रत्येक व्यक्ति नियम 69 में विनिर्दिष्ट किसी अधिकारी द्वारा मांगे जाने पर, उस स्थान पर जहां के लिए अनुज्ञप्ति लागू है उसे अथवा उसकी प्राधिकृत प्रति, प्रस्तुत करेगा।

(2) इस नियम के प्रयोजन के लिए किसी अनुज्ञप्ति की प्रतियां,—

(क) प्रत्येक प्राधिकृत प्रति के लिए नियम 11 में विहित ढंग में पांच रुपये फीस का संदाय करने पर, और

(ख) अनुज्ञप्ति में संलग्न अनुमोदित रेखांकित के समरूप रेखाचित्रों की प्रति या प्रतियां प्रस्तुत करने पर, उस प्राधिकारी द्वारा प्राधिकृत की जा सकती है जिसने अनुज्ञप्ति मंजूर की है।

63. अतिलघन की रिपोर्ट प्राप्त होने पर प्रक्रिया,—

जिला प्राधिकारी अधिनियम या इन नियमों के अतिलघन की मुख्य नियंत्रक के द्वारा की गई रिपोर्ट के संबंध में की गई कार्रवाई की सूचना मुख्य नियंत्रक को देगा।

64. प्राधिकारियों पर कार्यपालक नियंत्रण,—

इस अध्याय के अधीन कार्य करने वाला केन्द्रीय सरकार से भिन्न प्रत्येक प्राधिकारी, अपने कर्तव्यों का निर्वहन केन्द्रीय सरकार के नियंत्रण के अधीन रहते हुए करेगा ;

परन्तु इस नियम की कोई भी बात मुख्य नियंत्रक की अपने अधीनस्थ प्राधिकारियों पर नियंत्रण की कार्यपालक शक्ति पर प्रभाव डालने वाली नहीं समझी जाएगी।

अध्याय 6

65. छूट देने की शक्ति —

केन्द्रीय सरकार, मुख्य नियंत्रक की सिफारिश पर, असाधारण मामला में कारणों को लेखबद्ध करके लिखित आदेश द्वारा किसी पात्र में किसी मपीडित रंग के भण्डारकरण व परिवहन के लिए, इन नियमों के सभी या किन्हीं उपबन्धों से, ऐसी शर्तों पर यदि कोई हो, जो आदेश में विनिर्दिष्ट की जाएँ, छूट दे सकती है।

अध्याय 7

दुर्घटना और क्षति

66. दुर्घटना की सूचना

(1) अधिनियम की धारा 8 की उपधारा (1) के अधीन दिए जाने के लिए अपेक्षित, किसी दुर्घटना की सूचना मुरत—

(क) मुख्य नियंत्रक को द्रुत तार द्वारा (तार का पता— “विस्फोटक, नागपुर”) दी जाएगी और उसके चौबीस घंटे के भीतर घटना के बारे में देने हुए एक पत्र भेजा जाएगा।

(2) निकटतम पुलिस थाने के प्रभारी अधिकारी को शीघ्रतम मार्ग से दी जाएगी। मुख्य नियंत्रक या उसके प्रतिनिधि के आने के या यह निदेश प्राप्त हो जाने के पर्यन्त कि वह कोई अन्वेषण और परीक्षण नहीं करना चाहता है, सभी मालवा, सिवाय वहाँ तक के जहाँ तक कि उसका उठाया जाना जखमी व्यक्तियों के बचाव के लिए और दुर्घटना में मरने वाले किन्हीं व्यक्तियों को पुनःस्थापित करने के लिए आवश्यक है, ज्यों का त्यों छाड़ दिया जाएगा।

67. दुर्घटनाओं की जांच —

(1) जब भी अधिनियम की धारा 9 की उप-धारा (1) के अधीन जिला मजिस्ट्रेट पुलिस आयुक्त या जिला मजिस्ट्रेट का अधीनस्थ मजिस्ट्रेट जब तक कि मुख्य नियंत्रक या उसके द्वारा नामनिर्दिष्ट अधिकारी कार्यवाही को बशर्तों के लिए उपस्थित नहीं है या मजिस्ट्रेट को मुख्य नियंत्रक से लिखित सूचना प्राप्त नहीं हो जाती है कि अधिकारों प्रतिनिधि नहीं भेजना चाहता है तब तक वह जांच स्थगित रखेगा।

(2) स्थगित जांच करने के कम से कम चौबिस् दिन पूर्व मजिस्ट्रेट मुख्य नियंत्रक का स्थगित जांच के होने के समय व स्थान की सूचना लिखित रूप में देगा।

(3) जहाँ दुर्घटना में जनजीवन की क्षति हुई है, मजिस्ट्रेट स्थान के पूर्व किसी शरीर का पहिचानने के लिए माक्ष्य ले सकता है और नजरबंदी का आदेश दे सकता है।

(4) मुख्य नियंत्रक या उसका प्रतिनिधि ऐसी किसी जांच में किसी साक्षी का मजिस्ट्रेट के आदेश के अधीन न्याय के मुद्दा पर खयाल ले सकता है।

(5) जांच में जहाँ पर मुख्य नियंत्रक या उसके द्वारा नामनिर्दिष्ट अधिकारी उपस्थित नहीं है, वहाँ यदि अपेक्षा का माक्ष्य दिया जाता है जिसके कारण या जिसके सहयोग से सम्पादन या किसी पात्र में या आगपास इस संबंध में विस्फोट या दुर्घटना या खराबी होने में मजिस्ट्रेट या जुरी का यह प्रतीत होता है कि उपचार अपेक्षित है, मजिस्ट्रेट मुख्य नियंत्रक का उपेक्षा या दोष की लिखित सूचना देगा।

68. अत्यन्त गंभीर दुर्घटनाओं की जांच —

(1) जब भी अधिनियम की धारा 9 के अन्तर्गत जांच की जाती है, जांच करने वाले व्यक्ति खुद न्यायालय में ऐसे दग से एवं ऐसी शर्तों के अधीन वे दुर्घटना के कारणों एवं परिस्थितियों का पता लगाने के लिए तथा इस नियम के अधीन प्रतिवेदन देने के लिए समर्थ बनाने में, जैसा कि वे अत्यन्त प्रभावशाली समझे, जांच करेंगे।

परन्तु जब केन्द्रीय सरकार ऐसा निदेश दे जांच बंद करने में की जा सकती है।

(2) उपनियम (1) के अधीन साक्षी के रूप में न्यायालय के समक्ष उपस्थित व्यक्ति का वह खर्च अनुज्ञात होगा जो उस स्थान में, जहाँ जांच हो रही है, की अधिभारिता वाले उच्च न्यायालय के अधीनस्थ दीवानी न्यायालय में उपस्थित रहने वाले साक्षी को अनुज्ञात होती है और अनुज्ञात रकम के संबंध में विवाद होने की स्थिति में, प्रत्येक स्थानीय मजिस्ट्रेट को निर्दिष्ट किया जाएगा जो न्यायालय को निवेदन किए जाने पर ऐसे खर्चों की रकम का पता लगाएगा और प्रमाणित करेगा।

(3) इस नियम के अधीन की गई जांच या अन्वेषण में या उसके बारे में किए गए सभी खर्च विस्फोटक विभाग के अधिनियम को निष्पादित करने के लिए उपगत खर्च के भाग होंगे।

अध्याय 8

शक्तियाँ

69. निरीक्षण तलाशी, अभियन्तृण, निरोध और निराकरण की शक्तियाँ —

(1) नीचे सारणी के स्तम्भ (1) में विनिर्दिष्ट कोई भी अधिकारी अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) में प्रदत्त उसके सामने उसी सारणी के द्वितीय स्तम्भ में की प्रविष्टियों में विनिर्दिष्ट क्षेत्रों में, शक्तियों का प्रयोग कर सकता है।

अधिकारी	क्षेत्र
1. मुख्य नियंत्रक, उपमुख्य नियंत्रक, नियंत्रक, संपूर्ण भारत उपनियंत्रक और विस्फोटक सहायक नियंत्रक	उसके सर्वाधिकृत जिले
2. सभी जिला मजिस्ट्रेट	उनकी सबधित अधि-कारिता
3. जिला के अधीनस्थ सभी मजिस्ट्रेट	उनकी सबधित अधि-कारिता
4. पुलिस आयुक्त	उनकी सबधित अधि-कारिता
5. पुलिस आयुक्त के अधीनस्थ उप पुलिस आयुक्त	सबधित क्षेत्र जहाँ पर उनका प्राधिकार है।
6. उप निरीक्षक की प्राप्ति पर अन्यून सभी पुलिस अधिकारी	उनका प्राधिकार है।

परन्तु अधिनियम की धारा 7 की उपधारा 1 के खण्ड (घ) के अधीन प्रदत्त निराकरण और विनाश की शक्तियों का प्रयोग, सिवाय मुख्य नियंत्रक उप मुख्य नियंत्रक, नियंत्रक या उपनियंत्रक या सहायक विस्फोटक नियंत्रक के अनुदेशों के अधीन या के अनुसार कोई भी मजिस्ट्रेट या पुलिस अधिकारी नहीं करेगा।

(2) उपनियम (2) में विनिर्दिष्ट अधिकारियों को वह सुनिश्चित करने के लिए कि इन नियमों का विधिवत पालन हो रहा है, प्रत्येक सुविधा दी जाएगी।

परिशिष्ट

[नियम 1(2) देखिए]

अनुसूची

अनुज्ञप्ति फीस

(नियम 48 देखें)

1. आवेदक का नाम व पूरा पता
2. क्या आवेदक ने किन्हीं अप्रज्वलित दाब पात्रों का विनिर्माण किया है—
यदि हाँ—
(i) वह तारीख, जिसमें ऐसे पात्र विनिर्मित किए गए थे,
(ii) दाब पात्र जिनके लिए निर्मित किए गए थे, और उनकी अनुमानित संख्या
(iii) विनिर्मित किए गए दाब पात्रों का व्योरा
3. दाब पात्रों/कन्टेनरों के विनिर्माण के लिए प्रस्तावित विनिर्माण या कोड़ा
4. दाब पात्र के विनिर्माण में लगे कर्मचारियों के विशेषतः योग्यता एवं अनुभव के आधार पर सघटनात्मक ढाँचा
5. आवेदक द्वारा लगाए गए निरीक्षण कार्मिकों का सघटनात्मक ढाँचा
6. दाब पात्रों/कन्टेनरों के विनिर्माण की प्रक्रिया, कच्चे माल से प्रारम्भ होकर दाब पात्रों/कन्टेनरों का पूर्ण होने तक
7. दाब पात्रों/कन्टेनरों के विनिर्माण के प्रत्येक सोपान पर क्वालिटी स्तर नियंत्रण/जाँच परीक्षण
8. (i) रासायनिक पृथक्करण और यांत्रिक परीक्षण के लिए संस्थापित उपकरणों का व्योरा
(ii) जाँच के लिए किए टेम्पलेट्स/रोज़रों का व्योरा
(iii) परीक्षण और जाँच उपकरणों की जाँच विगुड़ता जाँच करने के लिए सोपान तथा ऐसी जाँचों की आवश्यकता
9. अग्निशोषी परीक्षा तथा विकिरण किरणों, गामा किरण, पराश्रव्य परीक्षण आदि करने के लिए उपलब्ध उपकरण
10. दाब पात्रों/कन्टेनरों के विनिर्माण के लिए दी गई मशीनरी की सूची
11. स्वतंत्र निरीक्षण प्राधिकारी का नाम और पता
12. परीक्षण के अभिलेख एवं प्रमाणपत्र :—
(i) निरीक्षण और प्रमाणित करने वाला सगठन द्वारा विभिन्न परीण किए जाने का अभिलेख प्रपत्र
(ii) परीक्षण प्रपत्र और स्वतंत्र निरीक्षण प्राधिकारी द्वारा जारी किया गया प्रमाणपत्र

क्र० सं०	अनुज्ञप्ति का प्रारूप	उद्देश्य, जिसके लिए मंजूर किया गया है	अनुज्ञप्ति मंजूर करने में समर्थ प्राधिकारी	फीस
1	2	3	4	5
1	iii	संस्थापन में संपी-डित गैस का भण्डारकरण	मुख्य नियंत्रक	(क) जहाँ संस्थापन में कुल अंतर्गत रिहा 5000 लीटर से अधिक नहीं है 1000 रुपये (ख) जहाँ से संस्थापन में पात्रों की कुल अंतर्गता 5000 लीटर से अधिक है 1,00,00 रुपये प्रथम 5,000 लीटरों के लिए और प्रत्येक अतिरिक्त 1000 या उसके किसी भाग के लिए 500 रुपये पर अधिकतम 5,000 रुपये से अधिक न हो,
2	iv	यान द्वारा संपी-डित गैस का परिवहन	मुख्य नियंत्रक	10,00,00 रुपये

[फा०सं० 2(4)/76-एम आई/एम सी आई]
आर०एन० चौपड़ा, अतिरिक्त सचिव

प्रारूप 1

(नियम 49, 54, 55 देखें)

दाब पात्र का पात्रों में संपी-डित गैस के भण्डारण के लिए अनुज्ञप्ति के मंजूरी या संशोधन या नवीकरण हेतु आवेदन

यदि ये प्रारूप III में अनुज्ञप्ति की मंजूरी के लिए है, तो भयले पृष्ठ पर सूची में दी गई दस्तावेजों इस आवेदन के साथ प्रस्तुत किए जाने चाहिए।

इस स्तम्भ में उत्तर दिए किए जाने हैं

1. आवेदक का नाम—
आवेदक का व्यवसाय
आवेदक का पूरा डाक पता
2. परिसरों का स्थल जहाँ संपी-डित गैस का भण्डारण करना है
राज्य
जिला
कस्बा या गांव
निकटतम रेल स्टेशन

- 3 भण्डारण के लिए प्रस्तावित
- 4 संपीड़ित गैस का प्रकार
(क्या उच्चतम, संक्षारक या विषैली है उल्लेख करें)
4. भण्डारण हेतु प्रस्तावित संपीड़ित गैस का रासायनिक नाम
5. भण्डारण के लिए प्रस्तावित संपीड़ित गैस का परिमाण
- 6 परिमरों में पहिले से ही भण्डारित संपीड़ित गैस का परिमाण और रासायनिक नाम
- 7 परिमरों के लिए धारित अनु-शक्तियों की संख्या और अनु-शक्तिधारी का पूरा नाम

मैं घोषणा करता हूँ कि ऊपर दिए गए कथनों की मैंने जांच कर ली है और वे सही हैं। मैं बचन देता हूँ कि मैं मंजूर की गई अनुशक्ति की निबन्धनों और शर्तों का पालन करूँगा।

आवेदन की तारीख

आवेदक के हस्ताक्षर और पदनाम

**जहाँ आवेदन कंपनी की ओर से किया जाता है, कंपनी का नाम व पता और प्रबन्धक या अधिकर्ता का नाम आवेदन पर किया जाना चाहिए और वह उसके द्वारा हस्ताक्षरित होना चाहिए। प्रबन्धक या अधिकर्ता के नाम का प्रत्येक परिवर्तन तुरन्त संशुचित किया जाना चाहिए और उसके नमूना के हस्ताक्षर अनुशक्ति प्राधिकारी के पास फाइल करना चाहिए।

प्ररूप 3 में अनुशक्ति हेतु आवेदन के साथ प्रस्तुत किए जाने वाले अपेक्षित अभिलेख।

- (i) विनिर्देशों और नियम 46 के अधीन अनुमोदित रेखाचित्रों की 4 प्रतियाँ (अनुशक्ति के लिए बिना संशोधन नवीकरण अपेक्षित नहीं)
- (ii) अनुमोदित रेखाचित्र और साथ में लगे विनिर्देशों के साथ अनुशक्ति (अनुशक्ति की प्रथम मंजूरी के लिए अपेक्षित नहीं)
- (iii) अनुशक्ति की मंजूरी या संशोधन के लिए नियम 11 में विनिर्दिष्ट रीति में संवत्त आवश्यक फीस की रकम।
- (iv) सुरक्षा प्रमाणपत्र यदि नियम 33 अपेक्षित हो।

प्ररूप -2

(नियम 49 और 54 देखें)

यान में संपीड़ित गैस के हेतु अनुशक्ति परिवहन की मंजूरी या संशोधन के लिए आवेदन

अगले पृष्ठ में दी गई दस्तावेजों हम आवेदन के साथ प्रस्तुत की जानी चाहिए।

(आवेदक स्वयं भरें और हस्ताक्षर करें)

- 1 आवेदक का नाम व डाक का पूरा पता
- 2 यान का विवरण जिसमें संपीड़ित गैस का परिवहन किया जाना प्रस्तावित है
- (i) वेक और माइल

- (ii) इंजिन संख्या
- (iii) चैसिस संख्या
- (iv) रजिस्ट्रीकृत संख्या
- (v) तारीख, जिस तक यान रजिस्ट्रीकृत है।
- (vi) रजिस्ट्रीकृत स्वामी का नाम और पूरा डाक का पता
- 3 संपीड़ित गैस की प्रकृति जिसका परिवहन किया जाना प्रस्तावित है (कृपया उल्लेख करें क्या उच्चतम-शील, संक्षारक या विषैली है)
- 4 यान में परिवहन की जाने वाली संपीड़ित गैस का रासायनिक नाम
- 5 दाब पात्र का जलधारिता और परिवहन की जाने वाली संपीड़ित गैस का कुल वजन
- 6 यान के डिजाइन आरेखण की मुख्य नियंत्रक द्वारा अनुमोदन की संख्या एवं तारीख
- 7 क्या उक्त वर्णित यान नियमों में और मुख्य नियंत्रक द्वारा अनुमोदित डिजाइन आरेखणों में दी गई अपेक्षाओं के अनुरूप है?
- 8 स्थल का पूरा डाक पता जहाँ यान माघारणतः खड़ा किया जाएगा।

मैं/हम घोषणा करने हैं कि उपर्युक्त व्यक्तियों की मैंने/हमने जांच कर ली है और वे सही हैं। मैं/हम उस यान में संपीड़ित गैस के परिवहन का बचन देते हैं जिसका विवरण ऊपर दिया है भारतीय बिस्फोटक अधिनियम, 1884 और उसके अधीन बनाए गए स्थिर और गतिशील दाब पात्र (उच्चतम) नियम, 1981 और तत्समय प्रवृत्त किसी अन्य विधि या नियम के उपबन्धों के अनुसार किया जाएगा। मैं यह समझता हूँ/हम यह समझते हैं कि उक्त अधिनियम या उसके अधीन बनाए गए नियमों का कोई भी उल्लंघन कारावास से, जो दो वर्ष तक की अवधि का हो सकता है, या जुर्माने से जो तीन हजार रुपये तक का हो सकता है, या दोनों से, दण्डनीय है।

तारीख

स्थान

आवेदक के हस्ताक्षर

इस आवेदन के साथ प्रस्तुत किए जाने वाले अपेक्षित दस्तावेज

- (1) नियम 35 के अधीन अनुमोदित रेखाचित्र की दो प्रतियाँ
- (2) नियम 43 के अधीन अपेक्षित सुरक्षा प्रमाणपत्र
- (3) यदि यान पहिले से अनुशक्ति था, तो पर्यवसित अनुशक्ति
- (4) नियम 11 में विनिर्दिष्ट रीति से संवत्त फीस की अपेक्षित रकम

प्रश्न-3

(नियम 49 एवं 50 देखें)

दाय पात्र या पात्रों में संपीड़ित गैस भण्डारण के लिए अनुज्ञप्ति

अनुज्ञप्ति संख्या फीस लागू

श्री को

..... नीचे वर्णित अनुज्ञप्ति परिसरों में और रेखांकन सं० में भारतीय विस्फोटक अधिनियम, 1884 (1884 का 4) और उसके अधीन बनाए गए नियमों तथा इस अनुज्ञप्ति की अन्य शर्तों पर दाय पात्रों में केवल धर मीटर किलोग्राम के भण्डारण के लिए अनुज्ञप्ति मंजूर की जाती है।

यह अनुज्ञप्ति 31 मार्च, 19 तक प्रवृत्त रहेगी।

तारीख 19 मुख्य विस्फोटक - निगंत्रक

अनुज्ञप्ति परिसरों का विवरण और व्यवस्था

अनुज्ञप्त परिसर, प्रदर्शित सीमा और अन्य विवरण जो मन्त्र अनुमोदित रेखाचित्र में वर्णित गए हैं पर स्थित हैं और सम्मिलित हैं।

(क) ज्वलनशील/संशारक/विषैली गैसों

(ख) अविषैली गैसों

के भण्डारण के लिए हैं, और

(प्लॉट सं०)	(मडक का नाम)	(गांव या नगर)	(पुनिम-थाना) (जिला)
-------------	--------------	---------------	------------------------

पर स्थित है।

नवीकरण के पुष्पांकन के लिए स्थान

अनुज्ञप्ति, भारतीय विस्फोटक नवीकरण की समाप्ति की अनुज्ञापन अधिनियम, 1884 या तारीख तारीख प्राधिकारी के उसके अधीन बनाए गए हस्ताक्षर और स्थिर एवं गतिशील दाय कार्यालय पात्र (अवलंबित) नियम, 1981 या इस अनुज्ञप्ति की शर्तों का उल्लंघन न होने की स्थिति में, फीस में बिना किसी छूट के तीन वर्ष तक नवीकृत की जाएगी।

यदि निरीक्षण के समय अनुज्ञप्त परिसर इससे उपाग्रन्थ विवरणी और शर्तों के अनुरूप नहीं पाए जाते हैं और जिन नियमों या शर्तों के अधीन यह अनुज्ञप्ति मंजूर की गई है, उनमें से किसी का उल्लंघन होता है तो उस वषा में यह अनुज्ञप्ति रद्द की जा सकती है और अनुज्ञप्तिधारी कारावास से, जो दो वर्ष की अवधि का हो सकता है या जुर्माने में जो तीन हजार रुपये तक का हो सकता है, या दोनों से दण्डनीय भी होगा।

शर्तें

- (1) अनुज्ञप्त परिसर, संपीड़ित गैस के भण्डारण और स्थानान्तरण तथा उसमें सीधे संबंधित से भिन्न अन्य उद्देश्यों के लिए उपयोग में नहीं लाए जाएंगे।
- (2) संपीड़ित गैस केवल घनमीटर किलो-ग्राम धारिता के पात्रों में और इससे उपाग्रन्थ अनुमोदित संलग्न रेखाचित्रों में दिखाई गई स्थिति में ही भण्डारित की जाएगी।

(3) प्रत्येक पात्र भवन के बाहर होगा और अच्छे में निर्मित आधारों पर आधारित होगा।

(4) भण्डारण पात्र सभी समय किसी अन्य सुविधा, भवन सीमा भेरा सुरक्षित कार्य में नियम 22 की मारिणी। और II में विनिर्दिष्ट दूरियां रखेगा।

(5) किसी संपीड़ित गैस की लदाई-उताराई के दौरान यान को खड़ा करने के लिए एक उपयुक्त मजबूत स्टैंड बनाया जाएगा।

(क) मजबूत स्टैंड के केन्द्र और भण्डारण पात्र

(ख) मजबूत स्टैंड के केन्द्र और संस्थापन सीमा रेखा

(ग) लदाई/उतारई बिंदु और भण्डारण यान/सीमा रेखा के बीच कम से कम 9 मीटर की सुरक्षा दूरी रखी जाएगी

(6) किसी पात्र में संपीड़ित गैस के प्रवेश और निष्कासन या अन्य उपयुक्त प्रदान करने वालों के मित्राय कोई द्वार नहीं होगा।

(7) पात्र के सभी फिटमेंट अच्छी दशा में रखे जाएं।

(8) अनुज्ञप्ति प्राधिकारी की लिखित अनुमति के बिना पात्र की स्थिति में कोई परिवर्तन और पात्र का प्रविस्थापन नहीं किया जाएगा। इस शर्त के अधीन इस प्रकार स्वीकृत सभी परिवर्तन अनुज्ञप्ति के लगे हुए संशोधित रेखाचित्रों में दर्शाए जाएंगे।

(9) यदि अनुज्ञप्ति प्राधिकारी अनुज्ञप्तिधारी से लिखित सूचना के द्वारा अनुज्ञप्ति परिसरों में, जो ऐसे प्राधिकारी की राय में परिसरों की सुरक्षा के लिए आवश्यक है, मरम्मत करने के लिए कहेंगे, तो अनुज्ञप्तिधारी सूचना में विनिर्दिष्ट उस अवधि के भीतर मरम्मत कराएगा।

(10) मरम्मत या उल्लंघन के पूर्व प्रत्येक पात्र संपीड़ित गैस युक्त और पूर्णतया साफ किया जाएगा। जब पात्र को साफ करने या मरम्मत के लिए खोला जाएगा, तब किसी भी प्रकार कोई लैंप चाहे वह साधारण हो या विद्युत विद्युत केवल या पंखे, और ज्वलनशील वाष्प को प्रज्वलित करने में समर्थ किसी भी सामान यंत्र या उपकरण को, पात्र के निकट नहीं लाया जाएगा।

(11) कोई भी व्यक्ति, ज्वलनशील गैस के भण्डारण के लिए उपयोग में लाए जाने वाले पात्र में, न तो अग्नि के प्रयोग द्वारा घेड़न, झनाई करके रिबेट लगाएगा न पीतल में झालने का काम करेगा मित्राय तब जब कि यह पूर्णतः साफ और गैस से मुक्त नहीं कर लिया जाता या अन्यथा सुरक्षापूर्ण तत्प कार्य किए जाने के लिए तैयार होने को प्रमाणित नहीं किया जाता मरम्मत नहीं करेगा या न कराएगा। जब पात्र गैस मुक्त प्रमाणित कर दिया जाता है, प्रमाणपत्र अनुज्ञप्तिधारी द्वारा मीन मन्त्री में अनूत अवधि के लिए परिक्षित रखा जाएगा और मांगे जाने पर मुख्य नियंत्रक को प्रस्तुत किया जाएगा।

(12) कोई भी व्यक्ति विषैली या संशारक गैस के भण्डारण के लिए प्रयोग के लिए जाने वाले किसी पात्र में प्रवेश नहीं करेगा मित्राय तब जब कि वह बस्ती के, गैस नकाब, और ऐसे ही अन्य संरक्षात्मक उपकरणों द्वारा पर्याप्ततः सुरक्षित हो जाए।

(13) संपीड़ित गैस, बिना रिमन वाले मजबूत पात्रों द्वारा पात्र में प्रविष्ट कराई जाएगी।

- (14) सूर्यस्त और सूर्योदय की अवधि के बीच, सिवाय ऐसे प्रकार में या अनुज्ञप्ति प्राधिकारी द्वारा अनुज्ञप्ति पर विशिष्टतः पृष्ठांकित शर्तों या शर्तों के अधीन पात्र भरे नहीं जाएंगे।
- (15) ऐसा कोई कृत्रिम प्रकाश, जिनमें उज्ज्वलता या प्रचलित हो सकती है किसी भी समय पात्र और संपीड़ित गैस के स्थानान्तरण के दौरान भगई/उत्तर्गट विन्दु और यान में 4 मीटर की दूरी के भीतर नहीं रखा जाएगा और गैस के स्थानान्तरण में लगा कोई व्यक्ति भूस्त्राण नष्ट करेगा।
- (16) कोई भी संपीड़ित गैस पात्र में विराम 1.5 के गहरा रेखाचित्रों में चित्रित स्थानान्तरण सुविधाओं के नहीं निकाली जाएगी।
- (17) संपीड़ित गैसों के स्थानान्तरण के लिए, उपयोग में लाए जाने वाले समस्त विद्युत उपकरण यथा मोटरें, स्विच, स्टार्टर्स आदि भा० भा० 2148 के अनुसूच उमाना सह बनाबट के होंगे।
- (18) अनुज्ञप्ति परिसर का प्रबंध करने वाला या उन पर उनके संबंध में नियोजित प्रत्येक व्यक्ति ऐसा कोई कार्य नहीं करेगा जिससे अग्नि लग सकती है या विस्फोट हो सकता और जो कार्य युक्तियुक्त रूप से आवश्यक नहीं है तथा, वह अपनी सर्वोत्तम योग्यता के अनुसार किसी अन्य व्यक्ति को भी ऐसा कार्य करने से निवारित करेगा।
- (19) प्रत्येक अनुज्ञप्ति परिसरों के लिए, अनुज्ञप्तिधारी न्यूनतम दो मुवाह्य फोम मरीचे या शुष्क रासायनिक प्रकार के 4 किलोग्राम क्षमता के अग्निशामकों की व्यवस्था करेगा जो आग लगते पर सुविधाजनक स्थानों में तुरंत उपयोग में लाए जा सकें।
- (20) आवश्यक पाइपों और बाल्वों और अनुमोदित विद्युत प्रकाशों को छोड़कर अनुज्ञप्ति परिसरों में स्थान पूर्णतः खुला और खाली छोड़ा जाएगा।
- (21) परिसरों में समस्त बाल्व स्थायी रूप से बाल्व को खोलने और बंद करने के दिशा को दर्शाते बाड़े चिन्हों के साथ चिह्नित किए जाएंगे।
- (22) अनुज्ञप्ति परिसर के भीतर अग्नि या विस्फोट में होने वाली ऐसी किसी भी दुर्घटना को सूचना जिसमें जनजीवन की क्षति हुई है या जीवन या संपत्ति की गंभीर क्षति हुई है, निकटतम मजिस्ट्रेट को या निकटतम पुलिस थाने के भारमाधक आफिसर तथा मुख्य विस्फोटक नियंत्रक को सूचना दे दी जाएगी (नगर का पता "विस्फोटक, नागपुर")
- (23) नियम 69 में विनिर्दिष्ट सभी अधिकारियों को सभी युक्तियुक्त समयों पर अनुज्ञप्ति परिसर में निर्वाध रूप से प्रवेश करने दिया जाएगा और ऐसे अधिकारी को, यह विनिश्चित करने के लिए कि नियमों और उस अनुज्ञप्ति की शर्तों का सम्पूर्ण रूप से अनुपालन हो रहा है या नहीं शत्रु प्रकार की सुविधा प्रदान की जाएगी।

प्रत्येक-4

(नियम 49 एवं 50 देखें)

यान में संपीड़ित गैस के परिवहन के लिए अनुज्ञप्ति

अनुज्ञप्ति संख्या फोम क्षमता

श्री को

निम्नलिखित विवरण के यान द्वारा संपीड़ित गैस के परिवहन के लिए अनुज्ञप्ति भारतीय विस्फोटक अधिनियम, 1981 (1884 का 4) और उसके 1293 GI/80-3

अधीन बनाए गए नियमों के उपबंधों और इस अनुज्ञप्ति में दी गई शर्तों अधीन, संजूर की जाती है।

यह अनुज्ञप्ति
विशिष्टमान्य रहेगी।

19

तक

आगे करने की तागीस

मुख्य विस्फोटक नियंत्रक

वाहन का विवरण

मेक और माडल इजिन नं०
केमिस्ट संख्या रजिस्ट्रीकरण नं०
रजिस्ट्रीकृत स्वामी का नाम
वाहन में बहन की जाने वाली संपीड़ित
गैस का रासायनिक नाम

कन्टेनर की प्राधिकृत बहन क्षमता

यदि अनुज्ञप्ति वाहन स्थिर और गतिशील दाब पात्र (अस्थायित) नियम, 1981 के अध्याय 2 और अध्याय 4 में दी गई अपेक्षाओं की पूर्ति नहीं करता है या जिन नियमों या शर्तों के अधीन यह अनुज्ञप्ति संजूर की गई है उनमें से किसी का उल्लंघन होता है तो अनुज्ञप्ति रद्द की जा सकती है और अनुज्ञप्तिधारी कारावास में, जो दो वर्ष का हो सकता है, या जुर्माने में, जो तीन हजार रुपए का हो सकता है, या दोनों में वषट्तीय भी होगा।

शर्तें

- (1) अनुज्ञप्ति या इसकी प्राधिकृत प्रतिया सभी समय अनुज्ञप्ति स्थान पर रखी जाएंगी और नियम 69 में विनिर्दिष्ट अधिकारी के मांग करने पर प्रस्तुत की जाएंगी।
- (2) केवल ऐसे जिम्मेदार व्यक्ति ही जो इस अनुज्ञप्ति की शर्तों में परिचित हैं, अनुज्ञप्ति वाहन को चलाने या संभालने के लिए नियोजित किए जाएंगे।
- (3) अनुज्ञप्ति यान पर, एक जिम्मेदार व्यक्ति द्वारा सतत और संपीड़ित गैस के परिवहन के दौरान कम से कम ऐसे दो व्यक्तियों द्वारा ध्यान दिया जाएगा परन्तु अनुज्ञप्ति यान, यदि खाली है, तो मुख्य नियंत्रक द्वारा इस उद्देश्य के लिए लिखित अनुमोदित स्थान पर ध्यान दिए बिना छोड़ा जा सकता है।
- (4) अनुज्ञप्ति यान पर सभी समय निम्नलिखित का बहन किया जाएगा—
(क) कम से कम 9 लीटर की क्षमता वाले और रासायनिक अग्नि का जमन करने के लिए उपयुक्त मुवाह्य श अग्निशामक।
(ख) यदि यान उज्ज्वलता संपीड़ित गैस के परिवहन के लिए उपयुक्त में लाया जाता है, तो विद्युत बंधन के लिए एक सञ्चालन लचीला केबल जो कम से कम 5 मीटर लम्बा होगा और उसके प्रत्येक छोरों पर उपयुक्त कनेक्टर या क्लिप होगा।

- (5) इन नियमों के अधीन उद्देश्य के लिए मुख्य नियंत्रक द्वारा अनुज्ञप्ति परिसरों के भीतर अनुमोदित स्थान पर के विराय प्रवृत्त यान की भगई या उत्तर्गट नष्ट करवाई जाएगी

परन्तु समुचित पूर्वाशक्तियों और पर्याप्त पर्यवेक्षण के अधीन अनुज्ञप्ति यान को किसी अन्य स्थान पर खाली किया जा सकता है,

यदि इस प्रकार खाली करना दुर्घटना या घटना की कारण आवश्यक हो गया है।

(6) कोई भी यान किसी परिणामस्वरूप पात्र में किसी संपीड़ित गैस को सीधे नहीं डालेगा।

(7) अनुज्ञापन यान में भराई नहीं की जाएगी यदि कोई भी फिटिंग जिसमें पात्र भी है रिमने लगती है, दोषपूर्ण हो जाती है या अन्यथा असुरक्षित हो जाती है।

(8) अनुज्ञापन यान में संपीड़ित गैस भरने या खाली करने पूर्व—

(क) इसका इंजन बंद कर दिया जाएगा और बैटरी को ठीक स्थिति द्वारा या अन्यथा नियुक्त कर दिया जाएगा।

(ख) इसके चक्के ब्रेक गार्डिंग द्वारा सुरक्षित रखे जाएंगे।

(ग) यदि यान ज्वलनशील संपीड़ित गैस परिवहन के लिए उपयोग में लाया जाता है, तो इसका चैपिंग केबिन के द्वारा विद्युत: पाइप में, या जिससे यह भरा या खाली किया जाता है, उससे वैद्युत: बंद दिया जाएगा।

(घ) जब तक भराई या उतराई समाप्त नहीं होती है और यान सीट नहीं कर दिया जाता है एक जिम्मेदार व्यक्ति इस पर ध्यान देगा और वही पर उपस्थित रहेगा।

(9) अनुज्ञापन यान किसी गड़बड़, अथवा क्षेत्र या स्थान पर जो इन नियमों के अधीन यान की भराई व उतराई के लिए अनुज्ञापन परिभर के भीतर स्थित स्थान नहीं है, नहीं सकेगा सिवाय तबके जब कि यात्रायात्रा गिरफ्तार द्वारा या अनुज्ञापन प्राधिकारी या इन नियमों को प्रवर्तित करने के काम को सुनिश्चित किया अधिकारी ऐसा नहीं करता।

(10) किसी ज्वलनशील गैस के परिवहन के लिए उपयोग में लाए जाने वाले अनुज्ञापन यान पर धूम्रपान, अग्नि या कृत्रिम प्रकाश या ज्वलनशील वायु को बिगारी लगाने में समर्थ वस्तु अनुज्ञापन नहीं होगी।

(11) अनुज्ञापन यान यांत्रियों के चढ़ने के लिए प्रयोग में नहीं लाए जाएंगे।

(12) अनुज्ञापन यान मरम्मत के लिए अनुज्ञेय नहीं होंगे। परन्तु बिना तत्काल कार्य किए दाब पात्र की फिटिंगों को प्रतिस्थापित किया जा सकता है।

(13) अनुज्ञापन यान या इसके सुरक्षा फिटिंगों में कोई भी परिवर्तन अनुज्ञापन प्राधिकारी की विहित पूर्व मंजूरी के बिना नहीं किया जाएगा। ऐसे मंजूर किए गए परिवर्तन इस अनुज्ञापन में संशोधन के द्वारा पट्टांकित किए जाने चाहिए।

(14) नियम 69 में निर्दिष्ट किसी भी अधिकारी को, यह सुनिश्चित करने के लिए कि नियमों एवं शर्तों का सख्त पालन हो रहा है सभी सुविधाएं दी जाएगी।

(15) अनुज्ञापन यान के भीतर अग्नि या विस्फोट में होने वाली किसी भी ऐसी दुर्घटना की सूचना जिसमें जनजीवन को क्षति हुई है या जीवन या संपत्ति की गंभीर क्षति हुई है, निरुद्धम मजिस्ट्रेट को या निरुद्धम अधिकारिता वाले पुलिस थाने के भारसाधक अधिकारी का तथा आश्रय विस्फोटक नियंत्रक को सार में दी जाएगी।

(सार का पता : "विस्फोटक, नागपुर")।

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

NOTIFICATION

New Delhi, the 4th February, 1981

G.S.R. 45(E).—Whereas a draft of the Static and Mobile Pressure Vessels (Unfired) Rules, was published as required by section 18 of the Indian Explosives Act, 1884 (4 of 1884), at pages 929 to 952/b of the Gazette of India Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (i), dated the 16th October 1978, under the notification of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. G.S.R. 498(E), dated the 16th October 1978, inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby, before the expiry of a period of 30 days from the date on which the Gazette containing the said notification was made available to the public ;

And whereas the said Gazette was made available to the public on the 28th October 1978;

And whereas objections and suggestions received from the public on the said draft rules have been considered by the Central Government ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sections 5 and 7 of the Indian Explosives Act, 1884 (4 of 1884), the Central Government hereby makes the following rules namely :—

THE STATIC AND MOBILE PRESSURE VESSELS 5 (UNFIRE) RULES, 1981

CHAPTER I

PRELIMINARY

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Static and Mobile Pressure Vessels (Unfired) Rules, 1981.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.

2. Definition.—In these rules, unless the context otherwise requires :—

(a) "Act" means the Indian Explosives Act, 1884 (4 of 1884);

(b) "approved" means a drawing, design, specification or code approved by the Chief Controller ;

(c) "Chief Controller" means the Chief Controller of Explosives ;

(d) "competent person" means a person recognised by the Chief Controller to be a competent person ;

(e) "compressed gas" means any permanent gas, liquefiable gas or gas dissolved in liquid, under pressure or gas mixture, which in a closed pressure vessel exercises a pressure either exceeding 1.5 atmospheres (gauge) at 15°C or a pressure exceeding 2 atmospheres (gauge) at 50°C or both and includes Hydrogen Fluoride ;

(f) "Controller of Explosives" includes the Deputy Chief Controller of Explosives, Deputy Controller of Explosive and Assistant Controller of Explosives;

(g) "corrosion" means all forms of wastage, and includes oxidation, scaling, mechanical abrasion and erosion ;

(h) "design" includes drawings, calculation, specifications, models, codes and all other details necessary for the complete description of the pressure vessel and its construction ;

(i) "design pressure" means the pressure used in the design calculations of a vessel for the purpose of

determining the minimum thickness of the various component parts of the vessel ;

(f) "district authority" means—

(i) in towns having a Commissioner of Police, the Commissioner or a Deputy Commissioner of Police; and

(ii) in any other place, the District Magistrate ;

(k) "filling density" means the ratio of weight of liquefiable gas allowed in a pressure vessel to the weight of water that the vessel will hold at 15°C ;

(l) "flammability range" means the difference between the minimum and maximum percentage by volume of the gas in mixture with air that forms a flammable mixture at atmospheric pressure and ambient temperature ;

(m) "flammable compressed gas" means gas 13 per cent or less of which when mixed with air forms a flammable mixture or whose flammable range with air is greater than 12 per cent ;

(n) "Form" means the Form appended to these rules ;

(o) "gas free" in relation to a pressure vessel means the concentration of flammable or toxic gases or both in such pressure vessel is within the safe limits specified for persons to enter and carry out hot work in such vessels ;

(p) "Inspector" means a person authorised by the licensing authority for the purpose of inspecting vessels in accordance with the approved design and specification or code ;

(q) "installation" means any place which has been specially prepared for the storage of compressed gas in pressure vessels ;

(r) "liquefiable gas" means any gas that may be liquefied by pressure above 0°C, but will be completely vapourised when in equilibrium with normal atmospheric pressure (760 mm Hg) at 30°C ;

(s) "permanent gas" means a gas whose critical temperature is lower than 10°C ;

(t) "pressure vessel" means any closed metal container of whatever shape, intended for the storage and transport of any compressed gas which is subjected to internal pressure and whose water capacity exceeds one thousand litres and includes inter connecting parts and components thereof upto the first point of connection to the connected piping and fittings, but does not include containers wherein steam or other vapour is, or is intended to be generated, or water or other liquid is, or is intended to be, heated by the application of fire, or the products of combustion or by electrical means, heat exchangers, evaporators, air-receivers, steam-type digestors, steam-type sterilizers, autoclaves, reactors, calorifiers and pressure piping components, such as separators or strainers ;

(u) "safety relief device" means an automatic pressure relieving device actuated by the pressure upstream of the valve and characterised by fully opened pop action intended to prevent the rupture of a pressure vessel under certain conditions of exposure ;

(v) "source of ignition" means naked light, fires, exposed incandescent materials, electric welding arcs, lamps, other than those specially approved for use in flammable atmosphere, or a spark or flame produced by any means ;

(w) "transport" means the transport of a pressure vessel filled with any compressed gas from one place to another but does not include movement of the vessel from one place to another in the same premises ;

(x) "vehicle" means a mechanically propelled carriage designed to transport by land compressed gas in a

pressure vessel mounted thereon, and shall not include a vessel forming the barrel of a rail tank wagon ;

(y) "vessel" means a pressure vessel ;

(2) "water capacity" means capacity in litres of the pressure vessel when completely filled with water at 15°C ;

3. General exemptions.—Nothing in these rules shall apply to vessels which form part of a processing plant, other than the storage vessels connected with the plant.

4. Restriction on filling and manufacture.—(1) No person shall fill any compressed gas in any vessel or transport any vessel filled with any compressed gas unless such vessel has been manufactured in accordance with a type or standard or code duly approved by the Chief Controller.

(2) Any person seeking approval for the manufacture of vessels in accordance with a type or standard or code approved by the Chief Controller under sub-rule (1), shall submit to the Chief Controller the particulars specified in Appendix attached to these rules

5. Restriction on delivery and despatch.—(1) No person shall deliver or despatch any compressed gas filled in a vessel to any person other than the holder of a storage licence issued under these rules, or to a port authority or a railway administration

(2) No compressed gas delivered or despatched under sub-rule (1) shall exceed the quantity which the person to whom it is delivered or despatched is authorised to store under the licence held by him.

6. Repair to pressure vessels.—(1) No person shall carry out any repairs, additions or alterations, to any vessel unless the proposed repairs, additions or alterations and then method of execution have been approved by the Chief Controller. Any such repairs, additions or alterations approved by the Chief Controller shall be carried out in the manner and by practices, acceptable under the design code referred to in rule 12.

Provided that nothing in this rule shall apply to the replacement of any of the fittings of the vessel which does not involve any heating.

(2) Before any repairs, additions or alterations are carried out to any vessel, the same shall be completely emptied and purged with an inert gas.

(3) Complete record of repairs, additions or alterations referred to in sub-rule (1) shall be maintained and made available to the Chief Controller and his permission shall be obtained before recommissioning the vessel.

7. Purging of pressure vessels used for flammable gases.—(1) Before using any new vessel or before the refilling of any existing vessel which has been made gas-free, air contained therein shall be purged by an inert gas or by the gas for which the vessel is to be used.

(2) If the vessel is purged by means of a flammable gas, the flammable mixture so formed shall be vented from the vessel only after taking adequate precautions to prevent its ignition.

8. Prohibition of employment of children and intoxicated persons.—No person under the age of eighteen years or who is in a state of intoxication shall be employed for the loading, unloading or transport of any vessel containing compressed gas, or in any premises licensed under these rules.

9. Prohibition of smoking, fires, lights, etc.—No person shall smoke and no matches, fires, lights or articles or substance, capable of causing ignition of any flammable gas shall be allowed, at any time in proximity to a place where any compressed gas is stored, handled or transported in a vessel.

10. Special precautions against accidents.—(1) No person shall commit or attempt to commit any act which may tend to cause a fire or explosion in or about any place where any compressed gas is stored, handled or transported in a vessel

(2) All empty vessels which had contained, any flammable or toxic gases, shall, except when they are opened for the

purposes of filling or cleaning, or for rendering the gas-free, be kept securely closed until they have been cleaned or freed of the gas, as the case may be.

(3) Every person storing compressed gas in a vessel and every person in charge of, or engaged in the storage, handling and transport of such gas in vessels, shall at all times—

- (i) comply with the provisions of these rules and the conditions of any licence issued thereunder ;
- (ii) observe all precautions for the prevention of accident by fire or explosion; and
- (iii) prevent any person from committing any act referred in sub-rule (1).

11. Payment of fees.—All fees payable under these rules shall be paid through crossed demand draft on any Nationalised bank in favour of the Accounts Officer, Pay and Accounts Office, Department of Explosives, Nagpur and in cases where the amount payable does not exceed Rs. 100, the payment may be made by cash, money order, postal order or cheque drawn on a local bank.

CHAPTER II

CONSTRUCTION AND FITTINGS OF PRESSURE VESSELS

12. Design code.—(1) Vessels shall be designed, constructed and tested in accordance with the Indian Standard 2825; as amended from time to time, or such other standard or code approved by the Chief Controller.

(2) A test and inspection certificate issued by the manufacturer of the vessel duly countersigned by an Inspector that the vessel meets with the requirements of the standard or code referred to in sub-rule (1) shall be furnished to the Chief Controller.

13. Design pressure.—The design pressure of a vessel shall not be less than —

- (a) the vapour pressure of the gas in the vessel at 55°C, if the vessel is meant for the storage of liquefiable gases ;

Provided that if the vessel is insulated, the vapour pressure of the gas in the vessel shall correspond to the maximum temperature that is likely to be attained by the gas in the vessel ;

- (b) the developed pressure of the gas in the vessel at 55°C, if the vessel is meant for the storage of a permanent gas.

14. Design of vessels for gases at low temperature.—

(1) Refrigerated vessels.—

- (i) Vessels used for storage of refrigerated gases shall be designed in accordance with low temperature requirements under the Design Code referred to in sub-rule (1) of rule 12.
- (ii) The capacity of the refrigeration system shall be adequate to maintain the gas in the vessel at a temperature so that its vapour pressure does not exceed the design pressure of the vessel and shall also remain below the pressure-setting of the relief valve on the vessel.

(2) Insulated vessels.—

- (i) The shell of the vessel and its manhole nozzle shall be insulated with a material approved by the Chief Controller. The entire insulation shall be covered with a metal jacket of a thickness not less than 3 mm. nominal and flashed around all openings so as to be weather-tight.
- (ii) The insulation shall be of sufficient thickness so that the thermal conductance at 15°C (expressed in calories or sq. cm. per hour per degree centigrade temperature differential) does not exceed the limit prescribed by the Chief Controller

15. Filling capacity and filling pressure.—(1) The maximum quantity of liquefiable gas filled into any vessel shall be limited to the filling density of the gas and shall be such that the vessel shall not be liquid-full due to expansion of the contents with rise of the temperature to 55°C. If vessel is uninsulated, or to the highest temperature which the contents are likely to reach in service, if the vessel is refrigerated or insulated. This requirement shall be applicable irrespective of the ambient temperature of the product at the time of filling.

(2) No vessel shall be filled with any permanent gas in excess of its design pressure.

16. Markings on pressure vessels.—Every vessel shall have a metal plate permanently fixed to it showing the following particulars which shall be visible from the ground level, namely :—

- (i) manufacturer's name and identification marks ;
- (ii) the standard or code to which the vessel is constructed;
- (iii) official stamp of the Inspector;
- (iv) design pressure in Kg./Cm²;
- (v) date of initial hydrostatic test and the subsequent test;
- (vi) hydrostatic test pressure in Kg/C²;
- (vii) water capacity in litres;
- (viii) gas capacity, if filled with liquefiable gas, and
- (ix) name or chemical symbol of the gas for which the vessel is to be used.

17. Painting of vessels.—Vessels shall be adequately painted externally to prevent corrosion and shall have a reflecting surface.

18. Fittings.—

(1) General :—

- (i) Fittings. Each vessel shall be provided with each of the following fittings all of which should be suitable for use with the gas at pressures not less than the design pressure of the vessel to which they are fitted and for temperatures appropriate to the characteristics of the gas and operating conditions, namely :—

- Pressure relief valve connected to the vapour space;
- Drains;
- Contents gauge or maximum level indicator;
- Pressure gauge connected to the vapour space ;
- Means of measuring the temperature of the contents of the vessel.

- (ii) Vessel connections.—Connections of vessels shall be designed and attached to the vessel in accordance with the Design code referred to in rule 12.

(2) Pressure relief—

- (i) every vessel shall be provided with two or more pressure relieving devices in accordance with the provisions of the Design code referred to in rule 12;
- (ii) the relief valves shall be spring loaded and shall be set-to-discharge and reach full flow conditions as required by the Design code referred to in rule 12;
- (iii) weight loaded relief valves shall not be permitted;
- (iv) the relief valves be so designed that they cannot be inadvertently loaded beyond the set pressure;
- (v) the design of the valves shall be such that the breakage of any part will not obstruct free discharge of the liquid under pressure.
- (vi) safety relief valves on any vessel shall be set to start-to-discharge at a pressure not in excess of 110 per cent of the design pressure of the vessel and shall have a total relieving capacity sufficient to prevent the maximum pressure in the vessel of more than 120 per cent of the design pressure;

(vii) each safety relief valve shall be plainly and permanently marked with the pressure in Kg/Cm² at which it is set to discharge, with the actual rate of discharge of the device in cubic meters per minute of the gas at 15°C and at atmospheric pressure, and with the manufacturer's name. The rated discharge capacity of the device shall be determined at a pressure of 120 per cent of the design pressure of the vessel;

(viii) connections of safety relief devices shall be of sufficient size to provide the required rate of discharge through the safety relief valves ;

(ix) safety relief valves shall be so arranged that the possibility of tampering is minimised and if the pressure setting or adjustment is external, the safety relief valve shall be provided with suitable means of sealing adjustment;

(x) each safety relief valve shall be provided with shut-off valve between it and the vessel. The arrangement of the shut-off valve installed between the safety relief valve and the vessel shall be so designed as to afford full required capacity flow through at least one of the safety relief valves ;

(xi) safety relief valves shall have direct communication with the vapour space of the vessel;

(xii) for vessels other than those mounted on the vehicles of over 4500 litres water capacity, relief valves shall be fitted with extended vent pipes adequately supported and having outlets at least 2 metres above the top of the vessel and at least 3.5 metres above the ground level and the vent pipes shall be fitted with loose-fitting rain caps;

(xiii) relief valves shall be tested for correct operation not less than once in a year and a record of such test shall be maintained.

(3) Shut-off and emergency shut-off valves :—

(i) all liquid and vapour connections on vessels, except those for relief valves, plugged openings, and those where the connection is not greater than 1.4 mm diameter opening, shall have shut-off valves located as close to the vessel as practicable;

(ii) all liquid and vapour connections on vessels, except those for relief valves, and drainage connections of small diameter, shall have an emergency shut-off valve, such as, an excess flow valve, an automatically operated valve or a remotely controlled valve. The emergency shut-off valve shall be in addition to the shut-off valve referred to in clause (i), unless the emergency shut-off valve is a remotely controlled valve which can be operated from a safe area and shall be of a type which shall not fail :

Provided that no emergency shut-off valves are necessary where the connection to a vessel is restricted to not greater than 3 mm diameter for liquid and 8 mm diameter for vapour;

(iii) where the emergency shut-off valve is of the excess flow type, its closing rate of flow shall be below the rate which is likely to result from a fracture of the line it is protecting, calculated under the most adverse weather conditions likely to be experienced. Excess-flow valves shall have a rated flow capacity sufficiently above normal flow requirements to prevent valve chatter.

(4) Liquid level gauging device :—

(i) a vessel used for liquefiable gas or dissolved gas shall be equipped with a liquid level gauging device to afford ready determination of the amount of liquid in the vessel at any time.

(ii) all liquid level indicators shall be suitable for operation at the design pressure of the vessel;

(iii) every vessel shall, in addition, be equipped with a fixed maximum level indicating device depending upon the liquefiable gas or dissolved gas filled in the vessel;

(iv) gauging devices that require bleeding of the contents of the vessel such as a rotary tube, fixed tube and slip tube shall be designed in such a manner that the same cannot be completely withdrawn in normal gauging operations.

(5) Pressure gauge.—Every vessel shall be provided with at least one pressure gauge.

19. Periodic testing of pressure vessels in service.—(1) All vessels shall be hydraulically tested by a competent person at a pressure marked on the vessel at intervals of not more than five years after the date of first test, provided that in the case of vessels, containing corrosive or toxic gases, the periodic test shall be done at an interval of two years.

(2) The competent person carrying out the test as required under sub-rule (1) shall issue a certificate of test.

20. Precautions to be observed in carrying out hydraulic test.—In carrying out the hydraulic test referred to in rule 19, the following precautions shall be observed, namely :—

(i) before the test is carried out, each pressure vessel shall be thoroughly cleaned and examined externally, and as far as practicable, internally also for surface defects, corrosion and foreign matter. During the process of cleaning and removal of sludge, if any, all due precautions shall be taken against fire or explosion, if such sludge is of pyrophoric nature or contains spontaneously combustible chemicals;

(ii) as soon as the test is completed, the vessel shall be thoroughly dried internally and shall be clearly stamped with the marks and figures indicating the person by whom the test has been carried out and the date of test and a record shall be kept of all such tests ;

(iii) any vessel which fails to pass the hydraulic test or which for any other reason is found to be unsafe for use shall be destroyed or rendered unsuitable under intimation to the Chief Controller.

CHAPTER III

STORAGE

21. General.—

(1) All vessels meant for storage of compressed gas shall be installed entirely above-ground, that is to say, no part of the vessel shall be buried below the ground level.

(2) Vessels and first stage regulating equipment shall be located in the open.

(3) Vessels shall not be installed one above the other.

(4) Vessels within a group shall be so located that their longitudinal axes are parallel to each other.

(5) No vessel shall be located within the bonded area of petroleum or other flammable liquid storages.

(6) Sufficient space shall be provided between two vessels to permit fire-fighting operations.

(7) Two or more vessels installed in batteries shall be so installed that the top surface of the vessels are on the same plane.

(8) Vessels installed with their dished ends facing each other shall have screen walls in between them.

22. Location of pressure vessels.—Each vessel shall be located with respect to the nearest building or group of buildings or line of adjoining property which may be built

on and with respect to other vessels in accordance with the distances specified in the Tables below :—

Table 1

Minimum safety distances for flammable, corrosive and toxic gases.

Sl. Nos.	Water capacity of vessel (in litres)	Minimum distance from building or group of buildings or line of adjoining property	Minimum distance between pressure vessels
(i) Not above 2000		5 metres	1 metre
(ii) Above 2000 but not above 10,000		10 metres	1 metre
(iii) Above 10,000 but not above 20,000		15 metres	1.5 metres
(iv) Above 20,000 but not above 40,000		20 metres	2 metres
(v) Above 40,000		30 metres	2 metres

Table 2

Minimum safety distances for non-toxic gases

Sl. Nos.	Water capacity of vessels (in litres)	Minimum distances from building or group of buildings or line of adjoining property	Minimum distances between vessels
(i) Not above 2000		3 metres	1 metre
(ii) Above 2000 but not above 10,000		5 metres	1.5 metres
(iii) Above 10,000 but not above 20,000		10 metres	2 metres
(iv) Above 20,000		15 metres	Diameter of larger vessel.

Note 1. If the aggregate water capacity of a multi-vessel installation is 40,000 litres or more, the above minimum safety distances shall apply to the aggregate storage capacity.

Note 2 : The number of storage vessels in one installation shall not exceed six. In case there are more than one installation, the safety distance between two installations shall be the same as the distance between the vessels and the property line in accordance with Table 1.

Note 3. The distances specified above are required to be measured from the nearest point on the periphery of the vessel.

Note 4. The distances specified above may be reduced by the Chief Controller in cases where he is of the opinion that additional safety measures have been provided.

23. Foundations for pressure vessels.—(1) General : The materials, principles, methods and details of design and construction of foundations and supports of vessels shall comply with approved specifications, standards, or codes.

(2) Ground conditions : A thorough knowledge of the ground condition shall be obtained by the person installing the vessel with particular reference to establishing an allowable bearing pressure, total and differential settlements expected, risk of flotation and possible deterioration of original conditions.

(3) Materials :

(i) The choice of materials for construction shall be determined by the ground conditions, loading and detailed design constructions.

(ii) The materials may be of —

(a) brick-work masonry ;

(b) re-inforced concrete ; or

(c) steel plate, steel pipe or structural steel

(4) Loading : The greatest combined effect of static and imposed loadings shall be used for design as under :—

(a) Static loading : weight of vessel and its contents ;

(b) test loading if tested by water ;

(c) wind loading ;

(d) operational loading such as vibration or thermal (natural and operational).

(5) Settlement : Any particular differential settlement shall be limited to prevent excessive stress in the connected pipe work and vessel shell.

(6) Vessel supports :

(i) the design of supports for vessels shall follow the standard or code to which the vessel is constructed ;

(ii) the spacing of vessel support shall be decided after close consideration of vessel-shell stressing and transmission of the loadings to the ground,

(iii) the design of supports for vessels shall provide flexibility to allow for movement of the vessel as a result of pressure and thermal expansion ;

(iv) the vessel shall be securely anchored or weighed or provided with adequate pier height to avoid flotation due to flood waters ;

(v) in case of structural steel supports such supports, excluding vessel saddles or supporting feet 45 cm or less in height, shall be encased in fire-resisting materials of adequate thickness.

24. Fencing.—(1) The area where vessels pumping equipment, loading and unloading facilities and direct fired vaporisers are provided, shall be enclosed by an industrial type fence at least 2 metres high along the perimeter of the safety zone.

(2) Every fence shall have at least two means of exit and the gates of such exits shall open outwards and shall not be self-locking.

25. Cleanliness.—An area of three metres around the vessel shall be kept free from readily ignitable materials, such as weeds and long dry grass.

26. Earthing.—(1) All vessels used for storage of flammable liquefiable gases shall be electrically connected with the earth in an efficient manner.

(2) Pipelines conveying flammable liquids shall be adequately prepared for electrical continuity and connected with the earth in an efficient manner.

27. No smoking.—A permanent notice with letters at least 5 cms in height prohibiting smoking and naked lights shall be fixed to the fence surrounding the area where flammable or oxidising gases are stored and the notice shall be visible from outside.

28. Fire protection.—All vessels used for the storage of flammable compressed gases shall be protected against the hazards as under :—

(i) provision shall be made for an adequate supply of water and fire protection in the storage area according to the local fire service regulations. The application of water may be by hydrants, hoses and mobile equipment, fixed monitors or by fixed spray system, which may be automatic. Control of water flow should be possible from outside any danger area ;

- (ii) hydrants, where provided, shall be readily accessible at all times and so spaced as to provide for the protection of all vessels ;
- (iii) sufficient length of fire hose shall be provided and be readily available. The outlet of each hose line shall be equipped with a combination jet and fog nozzle. The hoses should be maintained well and periodically inspected ;
- (iv) mobile equipment, fixed monitors or fixed spray systems shall be designed to discharge water at a rate sufficient to maintain an adequate film of water over the surface of the vessel and supports under fire conditions ;
- (v) consideration shall be given to the provision of mobile or fixed water spray systems giving suitable and effective protection for vehicle loading and unloading areas.
- (vi) at least two dry chemical powder type fire extinguishers of 9 kg. capacity each shall be installed at each point of access to the installations.

29. Loading and unloading facilities.—

(1) Pumps :

- (i) pumps may be centrifugal or positive displacement pumps ;
- (ii) design materials and construction of pumps shall be suitable for the type of gas to be handled and they shall be designed for the maximum outlet pressure to which they will be subjected to in operation ;
- (iii) positive displacement pumps shall have a by-pass valve or other suitable protection against over pressure.

(2) Compressors :

- (i) the design, material and construction of compressors shall be suitable for the type of gas which they are to handle and they shall be design for the maximum outlet pressure to which they will be subjected to in operation ;
- (ii) compressors other than multi-stage compressors shall take suction from the vapour space of the vessels being filled

(3) Transfer systems :

- (i) transfer systems shall be so designed that the risk of a gas of a higher vapour pressure being transferred to equipment designed for gas of a lower vapour pressure is minimised ;
- (ii) there shall be positive means of rapidly shutting off flow, located at a safe distance from the vessel which is being filled or emptied ;
- (iii) automatic alarm device to indicate the approach to maximum permissible height of automatic shut-off valves shall be used to prevent over-filling.

(4) Hoses :

- (i) the hoses for liquid transfer shall be designed to withstand not less than four times the maximum operating pressure they will carry in service ;
- (ii) the hoses shall be mechanically and electrically continuous.

30. Transfer operations.—(1) Before transfer of gas.—

- (i) every vehicle shall be carefully examined at the installation to ensure that it complies in all respects with the requirements of these rules and shall be completely emptied before it is passed for filling ;
- (ii) a visual check shall be made of the surroundings for unusual or dangerous situations before any filling or discharging procedure is commenced ;
- (iii) warning notices, as necessary, shall be displayed :

(iv) the receiving vessel shall be checked to ensure that it has sufficient ullage to receive quantity of gas being transferred to it ;

(v) the inter-connecting system, that is pipework-fittings, valves or hoses, shall be checked to ensure that it is in safe working condition and that only valves and other fittings required in the transfer operations or any other operations proceeding simultaneously, are open.

(2) During transfer the receiving vessel shall be checked to ensure that it is not being filled above its safe filling capacity or beyond its design pressure.

(3) On completion of transfer before the vehicle is allowed to leave the licensed premises it shall be weighed over a weigh-bridge to ascertain the quantity of the compressed gas filled therein, if the vehicle is filled with a liquefiable gas.

(4) When filling the vessels on vehicles with compressed gas, the following procedure shall be complied with in addition to the other requirements, namely :—

(i) the place where the vehicle is parked shall be properly levelled ;

(ii) the vehicle shall be prevented from accidental movement during the transfer operation. The parking brake of the vehicle shall be on and the engine shall remain stopped, except when it is necessary to drive the pump. Where necessary, wheel chock blocks shall be used ;

(iii) any driving units or electrical equipment not required and not specifically designed for the transfer operation shall be stopped or isolated ;

(iv) the vessel mounted on a vehicle shall be electrically bonded to the fixed installation before any flammable liquefied gas transfer operation is carried out ;

(v) before a vehicle is moved, the electrical and the liquid and vapour connections shall be disconnected care being exercised to avoid spillage. Where wheel chock blocks have been used they shall be removed. The vehicle shall be checked to ensure that it is in safe working order and the surrounding areas checked to ensure that any liquefied flammable gas that may have leaked or has to be vented has safely dispersed.

(5) For keeping attention during operations.—

(i) a competent person shall remain in attendance during all the operations connected with the transfer and ensure that all the requirements of these rules are complied with ;

(ii) if it is necessary to discontinue a vehicle loading operation temporarily, the loading hose shall be disconnected from the vehicle for the period of such discontinuance.

(6) The person in charge of transfer operations shall ensure that transfer operations are stopped in the event of —

(i) any leakage ;

(ii) a fire occurring in the vicinity ;

(iii) a severe electrical storm occurring in the vicinity in the case of an operation which involves venting of flammable gas.

31. Electrical apparatus and installations.—(1) No electrical wire shall pass over any storage vessel.

(2) All electrical wires installed within the safety zone of any storage vessel for the storage of flammable compressed gases shall consist of insulated cables of approved type. The cables shall be mechanically continuous throughout and effectively earthed away from the vessels.

(3) For pumps rooms used for pumping flammable compressed gases —

(i) all electrical metres, distribution boards, switches, fuses, plugs and sockets shall be of flame-proof

construction complying with the requirements of IS : 2148 : 1968 and the frames shall be effectively earthed ;

- (ii) all electrical fixed lamps shall be enclosed in a well glass flameproof fitting conforming to IS : 2206 (Part I) 1962

(4) All electrical portable hand lamps shall be of a type approved by the Chief Controller.

32. Lighting of storage and operating areas—Operations shall not be carried out during the night unless adequate artificial lightings of approved type are available and used

33. Certificate of safety—A Certificate of safety in the proforma given below and signed by a competent person shall be furnished to the licensing authority before any vessel is used for the storage of any compressed gas or whenever any addition or alteration to the installation or foundations for the vessel is carried out.

PROFORMA OF

CERTIFICATE OF SAFETY

I hereby certify that compressed gas installation—

(Full name and address of the occupier)

at

of the installation), (village, police station,

has been constructed in district etc.)
in accordance with the specification and plans approved by the Chief Controller and the condition of the licence Form—
and that in my opinion the installations and foundations of the above-ground pressure vessels are of such a nature and all vessels have been so installed and secured as to ensure safety.

Place :

Date :

Signature of competent person

Full name

Designation and

Qualifications

Full postal address

CHAPTER IV

TRANSPORT

34. Application.—The rules in this Chapter shall apply to the transport of compressed gas by vehicles.

35. Vehicles for transport of compressed gas.—(1) Every vehicle for the transport of compressed gas shall be of a type approved, in writing, by the Chief Controller.

(2) Where approval is sought to a vehicle under sub-rule (1) or to any of its special safety fittings, 12 numbers of detailed drawing drawn to scale and a scouting fee of rupees fifty shall be forwarded to the Chief Controller.

(3) If the Chief Controller, after receipt of the drawing under sub-rule (2) and after making such further inquiries as he deems necessary, is satisfied that the vehicle or the special safety fittings, as the case may be, meets with the requirements laid down in these rules, he shall approve the drawing and return to the applicant one copy thereof duly endorsed.

36. Design.—(1) Every vessel used for the transportation of compressed gas shall be constructed and tested in accordance with the requirements of rule 12 and shall meet with the requirements of sub-rules (2), (3), (4), and (5) of this rule.

(2) The design stress shall include an allowance to enable the vessel to withstand shocks normally encountered by movements on road, such as, acceleration and deceleration for a minimum of 3 g. When the vessel is self-supporting, the vessel design shall provide for carrying the additional

stresses normally carried by the chassis frame. Provision shall be made for distributing the localised stresses arising from attachments to the vessels.

(3) Mounting of vessels on the chassis or underframe shall be done in such a manner as to keep the vibrations to the minimum

(4) All attachments to the vessel shall be protected against accidental damage which may result from collision, over-turning or other operational cause.

(5) All vessels shall be designed to withstand the most severe combined stresses to which they may be subjected to by the pressure of the gas, the pumping pressures and shock loading caused by transport conditions.

37. Protection of valves and accessories.—(1) All valves and accessories shall be safeguarded against accidental damage or interference.

(2) Valves and accessories shall be mounted and protected in such a way that risk of accidental rupture of the branch to which the valve or accessory is connected is minimised.

(3) Valves or accessories situated at the rear of a vehicle shall be protected by the rear cross member of the frame of the vehicle against damage and shall comply with sub-rule (2).

38. Equipment.—(1) Piping, fittings, pumps and meters :

- (i) all pipings, fittings, pumps and meters permanently mounted on the vehicle shall be designed to withstand the most severe combined stresses imposed by the following, namely :—

- (a) the maximum designed pressure of the vessel;
(b) the super imposed pumping pressure of the shock loading caused by road movements;

- (ii) the materials used for vessel equipment shall be sufficient ductile to withstand rough usage and accidental damage. Brittle materials such as cast iron shall not be used.

(2) Protection of piping and equipment :

- (i) all piping and equipment shall be adequately protected to minimise accidental damage which may be caused by rough usage, collision or over-turning;
(ii) any equipment or section of piping in which liquid may be trapped shall be protected against excessive pressure caused by thermal expansion of the contents.

(3) Marking of connections.—All connections on the vehicle which require manipulation by the operator of the vehicle should be clearly marked to prevent incorrect operation. The form of this marking should correspond with the operating procedure laid down for the vehicle.

39. Vehicle design considerations.—(1) General : The vessel shall be securely attached to the chassis of the vehicle in such a manner as to take care of the forward movement of the vessel due to sudden deceleration of the vehicle.

(2) Design safety requirements—Mechanical :

- (i) the engine of the vehicle shall be of an internal combustion type;

- (ii) where the fuel system is gravity-fed, a quick action cut-off-valve shall be fitted to the fuel feed pipe in an easily accessible and clearly marked position.

- (iii) the engine and exhaust system together with all electrical generators, motors, batteries, switch-gears, and fuses shall be efficiently screened from the vessel or the body of the vehicle by a fire-resisting shield or by enclosure within an approved fire-resisting compartment;

- (iv) when the equipment referred to in clauses (i), (ii) and (iii) are mounted forward of the back of the driving cab, the cab can be considered to act as an acceptable shield, provided the back, the roof and

the floor of the cab, are of fire-resisting construction for the full width of the cab, without any openings in the back or roof, and that the back extends downwards to the top of the chassis;

- (v) when the cab construction does not conform to the requirements mentioned above, a separate fire-resisting shield should be installed extending upwards without any openings from the top of the chassis to the top of the vessels;
- (vi) in any case, where windows are provided in the shield, they should be fitted in fire-resisting framing with wired glass or other heat-resisting material and shall not be capable of being opened;
- (vii) when the equipment referred to in clauses (i), (ii) and (iii) are mounted to the rear of the back of the cab, it shall be contained wholly within an approved fire-resisting compartment;
- (viii) in any case where the fuel used to propel a vehicle gives off a flammable vapour at a temperature less than 65°C, the fuel tank shall not be behind the shield unless the following requirements are complied with, namely :—
 - (a) the fuel tank is protected from blows by stout steel guards or by the frames of the vehicle;
 - (b) the fill pipe of the fuel tank of the vehicle is provided with a cover having locking arrangement;
 - (c) the fuel feed apparatus placed in front of the fire-resisting shield is used to lift the contents of the fuel tank.
- (ix) where a transfer pump is driven by the engine of the vehicle, provision shall be made to stop the engine from outside the cab.

(3) Design safety requirements—Electrical :

The following requirements shall be complied with in connection with the electrical and antistatic properties of the vehicle, namely :—

- (i) The electrical system shall have—
 - (a) the battery in an easily accessible position;
 - (b) a readily accessible cut-off switch of not less than 300 Amps rating;
 - (c) wiring so fixed and protected as to minimise accidental damage or undue wear.
- (ii) The vessel shall be electrically continuous with the chassis
- (iii) The vehicle shall be provided with a bonding point or bonding cable.
- (iv) Tyres shall be of the "anti-static" type.

(4) Design safety requirements—General :

- (i) There shall be a clear space of at least 15 cm. between the back of the cab and the front of the vessel.
- (ii) The rear of the vessel shall be protected by a robust steel bumper and this bumper shall be—
 - (a) attached so that collision stresses will be transmitted to the frame work of the vehicle or, in the case of an articulated vehicle to the frame work carrying the wheels of the vessel;
 - (b) situated at least 7.5 cm. to the rear of the rear-most part of the vessel;
 - (c) extended on each side of the vehicle to at least the maximum width of the vessel.
- (iii) The maximum weight of the liquefied gas for which the vehicle is designed should not exceed the difference in weight between the unladen weight of the vehicle and the maximum gross weight permitted for that class of vehicle under the appropriate transport regulations.

40. Marking of vehicle.—All vehicles shall be conspicuously marked on the vessel to show the product which is being carried.

41. Fire protection.—(1) Two serviceable fire extinguishers of suitable size and type shall be provided on each vehicle, one on each side and should be accessible from outside the cab.

(2) A person, while in, or attending, any vehicle conveying flammable gas, shall not smoke or use matches or lighters.

(3) No fire, artificial light or article capable of causing fire or explosion shall be taken or carried on any vehicle carrying flammable gas.

42. Operations.—(1) Drivers shall be carefully selected and given appropriate training in driving and safe handling of the equipment and the compressed gas carried in the vehicle.

(2) When loading or discharging of a vehicle takes place within the operators own premises, a competent person shall be present throughout the operations.

(3) When discharge is in progress, at a customers premises, the driver shall remain his vehicle in such a position as to be able to stop the discharge immediately in an emergency.

(4) Every vehicle shall be constantly attended to by at least one person who is familiar with the rules in this Chapter :

Provided that nothing in this sub-rule shall apply to vehicles which are left in places previously approved for the purpose by the Chief Controller.

(5) In the event of an over-night stop away from home base, prior arrangements shall be made for the safe parking of the vehicle overnight. In an emergency, a driver may seek the co-operation of the local police in finding suitable parking facilities for his vehicle.

43. Certificate of safety.—A certificate of safety signed by a competent person shall be furnished to the licensing authority before any vehicle is used for the transportation of any compressed gas to the effect that the vehicle meets with the provisions of the rules in this Chapter.

44. Inspection and Maintenance of Vehicles.—(1) A check shall be made on the vehicle to ensure that it is at all times road-worthy, and that it is in a fit condition to fill, transport and discharge its load safely.

(2) Routine examination and maintenance of the vehicle shall be carried out by a competent person at regular intervals of not more than three months.

CHAPTER V

LICENCES

45. Licence for storage of compressed gas.—No person shall store any compressed gas in any vessel except under and in accordance with the conditions of a licence granted under these rules.

46. Prior approval of specification and plans of vessels and premises proposed to be licensed :—

(1) Every person desiring to obtain a licence to store any compressed gas in any vessel shall submit to the Chief Controller—

(i) specifications and plans drawn to scale in triplicate clearly indicating—

(a) the manner in which the provisions prescribed in these rules shall be complied with ;

(b) the premises proposed to be licensed, the area of which shall be distinctly coloured or otherwise marked ;

(c) the surrounding area lying within 100 meters of the edge of all facilities which are proposed to be licensed;

(d) the position, capacity, materials of construction and ground and elevation views of all vessels, all valves and fittings, filling and discharge pumps and fire-fighting facilities where provided and all other facilities forming part of the premises proposed to be licensed; and

(ii) a scrutiny fee of rupees one hundred paid in the manner specified in rule 11.

(2) If the Chief Controller, after scrutiny of the specifications and plans and after making such inquiries as he deems fit, is satisfied that compressed gas can be stored in the premises proposed to be licensed, he shall return to the applicant one copy each of all the specifications and plans signed by him conveying his sanction which may be subject to such conditions as he may specify.

47. Licence for transport of compressed gas.—(1) No compressed gas filled in a vessel shall be transported by a vehicle except under and in accordance with the conditions for a licence granted under these rules.

(2) Nothing in this rules shall apply to the transport of compressed gas filled in a vessel by a railway administration.

48. Grant of licence.—A licence prescribed under these rules shall be granted by the Chief Controller on payment of the fees specified in the Schedule attached to these rules.

49. Application for licence.—A person wishing to obtain or renew a licence under these rules shall submit to the Chief Controller—

(1) an application—

(a) in Form I, if the application is in respect of a licence in Form III; and

(b) in Form II, if the application is in respect of a licence in Form IV;

(2) a certificate of safety under rule 33 or rule 43, as the case may be;

(3) four copies of the drawings approved by the Chief Controller under rules 35 and 46.

50. Period for which licences may be granted or renewed.—

(1) A licence in Form III for the storage of a compressed gas granted or renewed under these rules shall remain in force until the 31st day of March of the year upto which the licence is granted or renewed subject to a maximum of three years.

(2) Notwithstanding anything contained in sub-rule (1), the Chief Controller may, if he is satisfied that a licence is required for a specific work which is not likely to last upto the 31st day of March of the year upto which the licence is granted or renewed, grant or renew a licence for such period as is necessary.

(3) A licence in Form IV for the transport of compressed gas by a vehicle may be granted for such period as the Chief Controller may deem necessary subject to a maximum period of one year.

51. Particulars of licence.—(1) Every licence granted under these rules shall be subject to the conditions specified therein and shall contain all the particulars which are contained in the form specified under these rules.

(2) One copy of the plan or plans for the licensed premises, signed in token of approval by the Chief Controller, shall be attached to the licence which shall form part of such licence and an identical copy shall be filed for record in the Office of the Chief Controller.

52. Power of licensing authority to alter conditions.—Notwithstanding anything contained in rule 51, the Chief Controller may omit, alter or add to any of the conditions specified in the Form of a licence.

53. Prior approval necessary for alteration in the licensed premises.—(1) No alteration shall be carried out in the licensed premises until the plan showing such alteration has been approved in writing by the Chief Controller.

(2) A person wishing to carry out any alteration in the licensed premises shall submit to the Chief Controller,

(i) three copies of a properly drawn plan of the licensed premises showing in distinct colour or colours the proposed alteration and the reasons therefor;

(ii) a scrutiny fee of rupees fifty paid in the manner specified in rule 11.

(3) If the Chief Controller, after scrutiny of the plan showing the proposed alteration and after making such enquiries as he deems fit, is satisfied that the proposed alteration may be carried out, he shall return to the licensee one copy of the plan signed by him and conveying his sanction subject to such condition or conditions as he may specify.

(4) The holder of a licence shall apply to the Chief Controller for the amendment of the licence as soon as the sanctioned alteration has been carried out.

54. Amendment of licence.—(1) Any licence granted under these rules may be amended by the Chief Controller.

(2) The fee for amendment of a licence shall be rupees ten plus the amount, if any, by which the fee that would have been payable if the licence had originally been issued in the amended Form exceeds the fee originally paid for the licence.

(3) A licensee who desires to have his licence amended shall submit to the Chief Controller—

(i) an application duly filled in and signed in Form I if the licence has been granted to store any compressed gas and in Form II if the licence has been granted for the transport of compressed gas;

(ii) the licence sought to be amended together with the approved plans attached to it;

(iii) where any alteration in the licensed premises has been carried out, three copies of the properly drawn plan showing the alteration sanctioned under rule 53 by the Chief Controller.

(iv) fee for the amendment of the licence as specified in sub-rule (2);

(v) a certificate of safety, if required under rule 33.

55. Renewal of licence.—(1) A licence granted under these rules may be renewed by the Chief Controller.

(2) Every licence granted under these rules, other than a licence in Form IV, may be renewable for three financial years where there has been no contravention of the Act or the rules framed thereunder or of any conditions of the licence so renewed.

(3) Where a licence which has been renewed for more than one year is surrendered before its expiry, the renewal fee paid for the unexpired portion of the licence shall be refunded to the licensee, provided that no refund of renewal fee shall be made for any financial year during which the Chief Controller receives the renewed licence for surrender.

(4) Every application shall be accompanied by the licence which is to be renewed together with approved plans attached to the licence, and renewal fee paid in the manner specified in rule 11.

(5) Every application for the renewal of a licence shall be made so as to reach the licensing authority at least thirty days before the date on which it expires, and if the application is so made, the licence shall be deemed to be in force until such date as the Chief Controller renews the licence or until an intimation that the renewal of the licence is refused has been communicated to the applicant.

(6) Where the renewal of a licence is refused, the fee paid for the renewal shall be refunded to the licensee after deducting therefrom the proportionate fee for the period beginning from the date from which the licence was to be renewed upto the date on which renewal thereof is refused.

(7) The same fee shall be charged for the renewal of a licence for each financial year as for the grant thereof :

Provided that

- (i) if the application with accompaniments required under sub-rule (4), is not received within the time specified in sub-rule (5), the licence shall be renewed only on payment of a fee amounting to twice the fee ordinarily payable ;
- (ii) if such an application with accompaniments is received by the Chief Controller after the date of expiry but not later than thirty days from that, the licence may, without prejudice to any other action that may be taken in this behalf, be renewed on payment of twice the fee ordinarily payable.

Provided further that in the case of an application for the renewal of a licence for a period of more than one financial year at a time, the fee prescribed under clause (i) or clause (ii) of the first proviso, if payable, shall be paid only for the first financial year of renewal.

(8) No licence shall be renewed if the application for renewal be received by the Chief Controller after thirty days of the date of its expiry.

56. Refusal of licence.—(1) The Chief Controller refusing to grant, amend renew or transfer a licence, shall record his reasons for such refusal in writing.

(2) A copy of the order containing the reasons for such refusal shall be given to the applicant on payment of a fee of rupees five paid in the manner specified in rule 11.

57. Suspension and cancellation of licence.—(1) Every licence granted under these rules shall be liable to be suspended or cancelled, by an order of the Chief Controller for any contravention of the provisions of the Act or these rules or of any condition contained in such licence, or by an order of the Central Government if at any time the continuance of the licence in the hands of the licensee is deemed objectionable :

Provided that

- (i) before suspending or cancelling a licence under this rule, the holder of the licence shall be given an opportunity of being heard;
- (ii) the maximum period of suspension shall not exceed three months; and
- (iii) the suspension of a licence shall not debar the holder of the licence from applying for its renewal in accordance with the provisions of rule 55.

(2) Notwithstanding anything in sub-rule (1), an opportunity of being heard may not be given to the holder of a licence before his licence is suspended or cancelled in case—

- (i) where the licence is suspended by the Chief Controller as an interim measure for the violation of the provisions of the Act or these rules, or of any condition contained in such licence or in his opinion such violation is likely to cause imminent danger to the public :

Provided that where a licence is so suspended, the Chief Controller shall give the holder of the licence an opportunity of being heard before the order of suspension is confirmed; or

- (ii) where the licence is suspended or cancelled by the Central Government, if that Government considers that in the public interest or in the interest of the security of the State such opportunity should not be given.

(3) The Chief Controller or the Central Government suspending or cancelling a licence under sub-rule (1), shall record his or its reasons for so doing in writing.

58. Procedure on expiration, suspension or cancellation of licence.—A person licensed to store compressed gas shall, on the expiration, suspension or cancellation of his licence, forthwith give notice to the Chief Controller of the nature and

quantity of compressed gas in his possession and shall comply with any directions which the Chief Controller may give in regard to its disposal.

59. Appeals.—(1) An appeal shall lie with the Central Government against any order passed by the Chief Controller refusing to grant, amend or renew a licence or cancelling or suspending a licence.

(2) Every appeal shall be in writing and shall be accompanied by a copy of the order appealed against and shall be presented within sixty days of the order passed.

60. Procedure on death or disability of licensee.—(1) If a licensee dies or becomes insolvent or is mentally incapable or is otherwise disabled, the person carrying on the business of such licensee shall not be liable to any penalty or confiscation under the Act or these rules for exercising the powers granted to the licensee during such time as may reasonably be required to allow him to make an application for a new licence in his own name for the unexpired portion of the original licence in respect of the year in which the licensee dies or becomes insolvent or mentally incapable or is otherwise disabled :

Provided that nothing in this sub-rule shall be deemed to authorise the exercise of any power under this sub-rule by any person after the expiry of the period of the licence.

(2) A fee of rupees five shall be charged for a new licence for the unexpired portion of the original licence granted to any person applying for it under this rule.

61. Loss of licence.—When a licence granted under these rules is lost or accidentally destroyed, a duplicate may be granted on the submission of a copy of the plan or plans identical with those attached to the licence and on payment of a fee of rupees ten paid in the manner specified in rule 11.

62. Production of licence on demand.—(1) Every person holding or acting under a licence granted under these rules shall produce it, or an authenticated copy of it, at the place to which the licence applies, when called upon to do so by any of the officers specified in rule 69.

(2) Copies of any licence may, for the purpose of this rule, be authenticated by the authority which granted the licence :—

- (a) on payment of a fee of rupees five in the manner specified in rule 11 for each authenticated copy; and
- (b) on the submission of a copy or copies of the plans identical with the approved plan or plans attached to the licence.

63. Procedure on reports of infringement.—The district authority shall inform the Chief Controller of the action taken by him on any reports of infringement of the Act or of these rules which the Chief Controller may make to him.

64. Executive control over authorities.—Every authority, other than the Central Government, acting under this Chapter shall perform its duties subject to the control of the Central Government :

Provided that nothing in this rule shall be deemed to affect the powers of executive control of the Chief Controller over the officers subordinate to him.

CHAPTER VI

EXEMPTION

65. Powers to exempt.—The Central Government may, on the recommendation of the Chief Controller, in exceptional cases, by order and for reasons to be recorded in writing, exempt storage and transportation of any compressed gas in any vessel from all or any of the provisions of these rules, on such conditions, if any, as may be specified in the order.

CHAPTER VII

ACCOUNTS AND INJURIES

66. Notice of accident.—The notice of an accident required to be given under sub-section (1) of section 8 of the Act shall be given forthwith—

- (i) to the Chief Controller by express telegram (Telegraphic Address—Explosives, Nagpur) followed within twenty-four hours by a letter giving particulars of the occurrence ; and
- (ii) to the officer-in-charge of the nearest police station by the quickest route. Pending the visit of the Chief Controller, or his representative, or until instruction is received from the Chief Controller that he does not wish any further investigation or inquiry to be made, all wreckage and debris shall be left untouched except in so far as its removal may be necessary for the rescue of persons injured, and recovery for the bodies of any persons killed by the accident or in the case of railways, for the restoration of through communication.

67. Inquiry into accidents.—(1) Whenever a District Magistrate, a Commissioner of Police or a Magistrate subordinate to a District Magistrate holds an inquiry under sub-section (1) of Section 9 of the Act, he shall adjourn such an inquiry unless the Chief Controller or an Officer nominated by him is present to watch the proceedings or the Magistrate has received written information from the Chief Controller that he does not wish to send a representative.

(2) The Magistrate shall, at least fourteen days before holding the adjourned inquiry, send to the Chief Controller notice in writing of the time and place of holding the adjourned inquiry.

(3) Where an accident has been attended with loss of human life, the Magistrate, before the adjournment, may take evidence to identify any bodies and may order the internment thereof.

(4) The Chief Controller or his representative shall be at liberty at any such inquiry to examine any witness, subject to the order of the Magistrate, on points of law.

(5) Where evidence is given at an inquiry at which the Chief Controller or an officer nominated by him is not present, of any neglect as having caused or contributed to the explosion or accident or of any defect in or about or in connection with any installation or any vehicle appearing to the Magistrate or Jury to require a remedy, the Magistrate shall send to the Chief Controller notice in writing of the neglect or defect.

68. Inquiry into more serious accidents.—(1) Whenever an inquiry is held under section 9-A of the Act, the persons holding such inquiry shall hold the same in open court in such manner and under such conditions as they may think most effectual for ascertaining the causes and circumstances of the accident, and enabling them to make the report under this rule :—

Provided that where the Central Government so directs, the inquiry may be held in camera.

(2) Persons attending as witnesses before the Court under sub rule shall (1) be allowed such expenses as are paid to witnesses attending before a civil court subordinate to the High Court having jurisdiction in the place where the inquiry is held and in case of any dispute as to the amount to be allowed, the question shall be referred to the local Magistrate who, on a request being made is to the Court, shall ascertain and certify the proper amount of such expenses.

(3) All expenses incurred in or about in inquiry or investigation under this rule shall be deemed to be part of the expenses of the Department of Explosives in carrying the Act into execution.

CHAPTER VIII

POWERS

69. Powers of inspection, search, seizure, detention and removal.—

- (1) Any of the officers specified in the first column of the Table below may exercise the powers mentioned in sub-section (1) of section 7 of the Act in the areas specified in the corresponding entry in the second column of that Table :—

Officers	Areas
(1)	(2)
1. The Chief Controller, Deputy Chief Controllers, Controllers and Deputy Controllers of Explosives and Assistant Controllers of Explosives.	The whole of India.
2. All District Magistrates	Their respective districts.
3. All Magistrates subordinate to the District Magistrate.	Their respective jurisdictions.
4. The Commissioners of Police	Their respective jurisdictions.
5. Deputy Commissioners of Police subordinate to the Commissioners of Police.	The respective areas or which their authority extends.
6. All police officers not below the rank of a Sub-Inspector.	-do-

Provided that the powers of removal and destruction under clause (d) of sub-section (1) of section 7 of the Act shall not be exercised by any Magistrate or police officer except under and in accordance with the instructions of the Chief Controller, Deputy Chief Controller, Controller or Deputy Controller or Assistant Controller of Explosives.

- (2) Every facility shall be afforded to the officers specified in sub-rule (1) to ascertain that these rules are being duly observed.

APPENDIX

[See rule 4 (2)]

1. Applicant's name and full address.
2. Whether the applicant has manufactured any unfired pressure vessel. Yes/No
If yes—
 - (i) Date from which such vessels were manufactured.
 - (ii) For whom the vessels were fabricated and their approximate numbers.
 - (iii) Details of the vessels manufactured.
3. Specifications or Code proposed to be adopted for the manufacture of the vessels or Containers.
4. Organisational set-up with specific reference to qualifications and experience of the personnel engaged in the manufacture of vessels.
5. Organisational set-up of the inspecting personnel engaged by the applicant.
6. Process of manufacture of vessels or containers, beginning with raw material and ending with the finished vessels or containers.
7. Quality control checks or tests carried out at each stage of manufacture of vessels or containers.
8. (i) Details of the equipment installed for chemical analysis and mechanical tests.

- (ii) Details of templates or gauges provided to check or test.
- (iii) Steps taken to check the accuracy of testing and checking equipment and frequency of such checking.
- 9. Equipment available for carrying out non-destructive examination such as radio-graphy, Gama ray, ultra-sonic tests, etc.
- 10. List of machinery provided for manufacturing vessels or containers.

11. Name and address of the independent inspecting authority.

12. Records and certificates of tests :—

- (i) Proforma of records for various tests carried out by the inspecting and certifying organisation; and
- (ii) Proforma of test and inspection certificate issued by the independent inspecting authority.

SCHEDULE
(See rule 48)
LICENCE FEE

Serial Number	Form of licence	Purpose for which granted	Authority empowered to grant licence	Fee
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1. III		To store compressed gas in an installation.	Chief Controller	(a) Where the total water capacity of vessels in an installation does not exceed 5,000 litres, Rs. 1000.00 (b) Where the total water capacity of vessels in an installation exceeds 5000 litres, Rs. 1000.00 for the first 5000 litres and for every additional 1000 litres or part thereof Rs. 500.00, subject to a maximum of Rs. 10,000.
2. IV		To transport compressed gas by vehicles.	Chief Controller	Rs. 1000.00

[F. No. 2(4)/76-MI/MCI]
R.N. CHOPRA, Addl. Secy.

FORM—I

(See rules 49, 54 and 55)

Application for the grant of amendment or renewal of a licence to store compressed gas in vessel or vessels.

DOCUMENTS LISTED OVERLEAF MUST BE ENCLOSED WITH THIS APPLICATION, IF IT IS FOR THE GRANT OF A LICENCE IN FORM III.

The replies to be given in this column.

1. Applicant's name** _____
" calling _____
" Full postal address _____
2. Situation of the premises where compressed gas is to be stored.
State _____
District _____
Town or Village _____
Nearest Railway station _____
3. Nature of the compressed gas proposed to be stored.
(Please state whether flammable, corrosive or toxic).
4. Chemical name of compressed gas proposed to be stored.
5. Quantity of the compressed gas proposed to be stored.
6. Quantity and chemical name of the compressed gas already stored in the premises.

7. Number of the licence held _____
for the premises and the _____
full name of the holder of _____
the licence.

I hereby declare that the statements made above have been checked up by me and are true and I undertake to abide by the terms and conditions of the licence which will be granted to me
Date of _____

Application.

Signature and designation of the applicant.

**Where the application is made on behalf of a Company, the name and address of the Company and the name of the Manager or Agent should be given and the application should be signed by him. Every change in the name of the Manager or Agent shall be forthwith intimated to and his specimen signature filed with the licensing authority.

DOCUMENTS REQUIRED TO BE SUBMITTED WITH APPLICATION FOR A LICENCE IN FORM III

- (i) Four copies of specification and plans approved under rule 46.

(NOT REQUIRED FOR RENEWAL OF A LICENCE WITHOUT AMENDMENT).

- (ii) Licence together with approved plans and specifications attached thereto.

(NOT REQUIRED FOR THE FIRST GRANT OF A LICENCE).

- (iii) Requisite amount of fee for the grant or amendment of a licence paid in the manner specified in rule 11.
- (iv) A certificate of safety, if required under rule 33.

3. Every vessel shall be outside any building and shall be supported on well designed foundations.

4. The storage vessel shall at all times maintain from any other facility, building, boundary, fencing or protected works the distances specified in Table I and Table II of rule 22.

5. A suitable hard stand for parking of the vehicle during loading or unloading of any compressed gas shall be provided. A minimum safety distance of 9 metres shall be maintained between—

- (a) the centre of the hard stand and the storage vessel;
- (b) the centre of the hard stand and the boundary line of the installation;
- (c) loading or unloading points and storage vessel or boundary line.

6. There shall be no opening in any vessel other than those necessary for the introduction or removal of the compressed gas or for providing other fittings.

7. All fittings of the vessel shall be well maintained.

8. No alteration of the position of the vessel and no replacement of the vessel shall be effected except with the previous sanction, in writing, of the licensing authority. All alterations so sanctioned under this condition shall be shown on an amended plan to be attached to the licence.

9. If the licensing authority calls upon the holder of a licence by a notice in writing to execute any repairs in the licensed premises which are, in the opinion of such authority, necessary for the safety of the premises, the holder of the licence shall execute the repairs within such period as may be specified in the notice.

10. Every vessel before being repaired or exhumed shall be made free of compressed gas and thoroughly cleaned. When a vessel is opened for cleaning or repairs, no lamp of any description either ordinary or electric, electric cables or fans and no articles, appliances or equipment capable of igniting flammable vapours shall be brought near the vessel.

11. No person shall cause to repair or repair either by the use of fire, welding, hot riveting or brazing any vessel used for the storage of flammable gas unless it has been thoroughly cleaned and gas-free or otherwise prepared for safety carrying out such hot work and certified, in writing, by a competent person, to have been so prepared. Where the vessel has been certified as gas-free, the certificate shall be preserved by the licensee for a period of not less than three months and produced to the Chief Controller, on demand.

12. No person shall enter any vessel used for the storage of a toxic or corrosive gas unless he is adequately protected by means of clothing, gas masks and such other protective equipment.

13. Compressed gas shall enter the vessel through sound pipes having no leaks at any place.

14. The vessel shall not be filled between the hours of sunset and sunrise, except in such manner and under such other condition or conditions as are specifically endorsed on the licence by the licensing authority.

15. No artificial light capable of igniting flammable vapour shall at any time be present within 9 metres of the vehicle and the loading or unloading points during the transfer of the compressed gas and no person engaged in such transfer shall smoke.

16. No compressed gas shall be removed from the vessel except by means of transfer facilities marked in the plan attached hereto.

17. All electrical equipment such as motors, switches, starters, etc., used for transfer of flammable compressed gas shall be of flameproof construction conforming to IS: 2148.

18. Every person managing or employed on or in connection with the licensed premises shall abstain from any

act whatsoever which tends to cause fire or explosion and which is not reasonable necessary and to the best of his ability, shall prevent any other person from doing such act.

19. The licensee shall provide for each licensed premises a minimum of two portable foam type or dry chemical type fire extinguishers of 9 Kg. capacity each, which shall be kept ready at convenient location for immediate use in the event of any fire.

20. Except for necessary pipes and valves and approved electric lights, the space within the licensed premises shall be kept entirely clear and unoccupied.

21. All valves in the premises must be permanently marked in a manner clearly indicating the direction of opening and shutting the valve.

22. Any accident, fire or explosion within the licensed premises which is attended with loss of life or serious injury to person or property shall be immediately reported to the nearest Magistrate or to the Officer in-charge of the nearest police station and by express telegram to the Chief Controller of Explosives (Telegraphic address—"EXPLO-SIVES" Nagpur).

23. Free access to the licensed premises shall be given at all reasonable times to any of the officers specified in rule 69 and every facility shall be afforded to such officer for ascertaining that the rules and the conditions of this licence are duly observed.

FORM IV

(See rules 49 and 50)

LICENCE TO TRANSPORT COMPRESSED GAS IN A VEHICLE

Licence No.....

Fee Rs.....

Licence is hereby granted to.....
.....
to transport compressed gas by the vehicle as described below subject to the provisions of the Indian Explosives Act, 1884 (4 of 1884) and the rules made thereunder and to the further conditions of this licence.

This licence will remain valid upto the..... day of....., 19.....

Chief Controller of Explosives.

Date of Issue :

DESCRIPTION OF THE VEHICLE

Make and Model.....Engine Number.....

Chassis Number.....Registration Number.....

Name of the registered owner.....

Chemical name of the compressed gas to be carried in the vehicle.....

Authorised carrying capacity of the container.....

This licence is liable to be cancelled if the licensed vehicle is not found conforming to the requirements of chapters II and IV of the Static and Mobile Pressure Vessels (Unfired) Rules 1981, or for the contravention of any of the said Rules and conditions under which this licence is granted and the holder of this licence is also punishable with imprisonment for a term which may extend to two years, or with fine which may extend to three thousand rupees, or with both.

*One year from the date of issue.

CONDITIONS

1. The licence or its authenticated copy shall at all times be kept in the licensed vehicle and produced on demand by an officer specified in rule 69.

2. Only responsible persons who are conversant with the conditions of this licence shall be employed for driving the licensed vehicle or attending to it.

3. The licensed vehicle shall be constantly attended to by a responsible person and by at least two persons while it is transporting compressed gas :

Provided that the licensed vehicle may, if empty, be kept unattended in a place approved for the purpose, in writing, by the Chief Controller.

4. The licensed vehicle shall at all times carry —

- (a) at least two portable fire extinguishers of capacity not less than 9 litres and suitable for extinguishing chemical fires ;
- (b) a strong flexible cable for electrical bonding in case of vehicle used for transportation of flammable compressed gas ; the cable shall be at least 5 metres long and shall have at each end a suitable clamp or clip.

5. The licensed vehicle shall not be loaded or unloaded except in a place which is approved within the premises licensed for the purpose under the rules by the Chief Controller :

Provided that the licensed vehicle may be unloaded at any other place with all the precautions and under adequate supervision if such unloading is necessitated by an accident or break-down.

6. No vehicle shall discharge any compressed gas directly, into any process vessel in operation.

7. The licensed vehicle shall not be loaded if any of the fittings including vessel becomes leaky, defective or otherwise insecure.

8. Before compressed gas is loaded into or unloaded from the licensed vehicle —

- (a) its engine shall be stopped and the battery shall be isolated by a proper switch or otherwise ;
- (b) its wheels shall be secured by brakes or by scotching.
- (c) its chassis shall be electrically bonded by a cable with the pipe into or from which it is to be loaded

or unloaded, in case of vehicle used for transportation of flammable compressed gas ;

(d) the correct filling or discharge pipe connections are made at both ends ;

(e) a responsible person shall be in attendance and remain so until loading or unloading is over and the vehicle has been sealed.

9. Except when called upon by traffic signals or required by the licensing authority or any other officer entrusted with the job of enforcing the rules, the licensed vehicle shall not stop on any road, congested area or a place which is not a place situated within the premises licensed under the rules for the loading and unloading of vehicle.

10. No smoking and no fire or artificial light or any article capable of igniting flammable vapour shall be allowed on the licensed vehicle used for the transportation of any flammable gas.

11. The licensed vehicle shall not be used for carrying passengers.

12. The licensed vehicle shall not be allowed to be repaired :

Provided that replacement by any of the fittings of the pressure vessel may be done without involving any hot work.

13. No alteration in the licensed vehicle or its safety fittings shall be carried out without previous sanction in writing of the licensing authority. Such alteration so sanctioned shall be endorsed on this licence by an amendment.

14. Every facility shall be given at all reasonable times to any officer specified in rule 69 for ascertaining that the rules and the conditions of this licence are duly observed.

15. Any accident fire or explosion occurring in the licensed vehicle, which is attended with loss of human life or serious injury to person or property shall be immediately reported to the nearest Magistrate or to the officer-in-charge of the nearest police station having jurisdiction and by express telegram to the Chief Controller of Explosives (Telegraphs address "EXPLOSIVES" Nagpur).